विषय सूची

पाठ	विषय	पृष्ठ
1	शिक्षक संदर्शिका का उपयोग कैसे करें	2
	भाग–1 : कार्यक्रम का परिचय और रूपरेखा	
2	'समृद्ध' कार्यक्रम का परिचय	4
3	उपचारात्मक शिक्षण का उद्देश्य और रूपरेखा	5
4	कक्षा 2 व 3 में उपलब्ध भाषा कालांश एवं कक्षा प्रबंधन	6
	भाग–2 : उपचारात्मक शिक्षण के लिए आकलन	
5	उपचारात्मक शिक्षण के लिए आकलन	7
	भाग 3 : प्रेरणा सूची, भाषा कालांश की साप्ताहिक और दैनिक योजना	
6	प्रेरणा सूची की दक्षताओं पर कार्य	12
7	दैनिक कालांश का विवरण	13
8	उपचारात्मक शिक्षण योजना हेतु उपलब्ध शिक्षण सामग्री	14
9	प्रथम कालांश की दैनिक शिक्षण योजना	15
10	प्रथम कालांश की गतिविधियों का विवरण	24
11	द्वितीय एवं तृतीय कालांश की दैनिक शिक्षण योजना : स्तर–1 और स्तर–2	30
12	द्वितीय एवं तृतीय कालांश में सहज पर कार्य : स्तर–1 एवं 2 के बच्चों के साथ	46
	भाग 4 : एंडलाइन	
13	एंडलाइन आकलन	47

1. शिक्षक संदर्शिका का उपयोग कैसे करें

इस संदर्शिका में समृद्ध कार्यक्रम के तहत कक्षा–2 और 3 के बच्चों के साथ भाषा शिक्षण कार्य का विवरण है। इस संदर्शिका का मुख्य उद्देश्य सभी शिक्षकों को समृद्ध कार्यक्रम के 8 सप्ताह के कक्षा–प्रक्रिया की परिकल्पना करने में मदद करना एवं प्रेरणा सूची में निर्धारित दक्षताओं को प्रत्येक बच्चे द्वारा हासिल करने में सहयोग करना है। आप इस संदर्शिका का बेहतर उपयोग कर पाएँ, इसके लिए संदर्शिका को कई हिस्सों में बाँटा गया है।

इस शिक्षक संदर्शिका के निम्न मुख्य भाग हैं :

- **भाग 1 : कार्यक्रम का परिचय और रूपरेखा (पृष्ठ 4 से 6 तक)**
- **भाग 2 : उपचारात्मक शिक्षण के लिए आकलन (पृष्ठ 7 से 11 तक)**
- **भाग 3 : प्रेरणा सूची, भाषा कालांश की साप्ताहिक और दैनिक योजना (पृष्ठ 12 से 46 तक)**
- **भाग 4 : एंडलाइन (पृष्ठ 47 से 52 तक)**

भाग 1 : इस खंड में हम संदर्शिका के उपरोक्त सभी भागों को समझने का प्रयास करेंगे ताकि एक शिक्षक के रूप में हम शिक्षक संदर्शिका का बेहतर तरीके से उपयोग कर सकें।

परिचय वाले भाग में हम मुख्य रूप से यह देखेंगे कि इस शिक्षक संदर्शिका की ज़रूरत क्यों पड़ी और इसे किन उद्देश्यों को ध्यान में रखकर बनाया गया है।

कार्यक्रम की रूपरेखा में संक्षिप्त रूप से इस बात पर चर्चा की गयी है कि 8 सप्ताह की इस विशेष भाषा शिक्षण योजना में कक्षा 2–3 में उपचारात्मक शिक्षण हेतु किन–किन मुख्य बिन्दुओं पर काम किया जाएगा। 8 सप्ताह के दौरान भाषा शिक्षण के 3 कालांश होंगे जिसमें मौखिक भाषा विकास और डिकोडिंग पर कार्य किया जाएगा। इन दोनों तरह के कार्यों के बारे में चर्चा की गई है। कार्यक्रम की रूपरेखा को पढ़कर आप भाषा के तीनों कालांश में क्या–क्या किया जाएगा तथा किन दक्षताओं का विकास किया जाएगा, इसके बारे में जान और समझ पाएँगे।

भाग 2 : उपचारात्मक शिक्षण के लिए आकलन में मुख्य रूप से बेसलाइन/एंड लाइन आकलन और समूह निर्धारण पर बात की गयी है। साप्ताहिक आकलन और पुनरावृत्ति इस कोर्स का एक बहुत ही महत्वपूर्ण भाग है जिसे समझना बेहद ज़रूरी है। कक्षा में शिक्षण कार्य से पहले इसे अच्छी तरह समझ लें।

भाग 3 : इस भाग में सर्वप्रथम प्रेरणा सूची के उपयोग और उपचारात्मक शिक्षण के अपेक्षित दक्षताओं पर बातचीत की गई है। इसके बाद, भाषा शिक्षण की कार्यक्रम की योजना में हम मुख्य रूप से 8 सप्ताह की व्यापक शिक्षण योजना, अलग–अलग साप्तहिक शिक्षण योजना और किसी एक सप्ताह में हर दिन तीनों कालांशों में किस तरह की शिक्षण योजना होगी, इस पर चर्चा करेंगे। सभी शिक्षक साथियों से अनुरोध है कि इस भाग को ध्यान से देखें और समझें क्योंकि इसी भाग से हमें यह पता चलेगा कि हर दिन कक्षा–कक्ष में किस तरह की गतिविधियों का संचालन करना है और किस–किस तरह की सहायक शिक्षण सामग्रियों का उपयोग करना है।

भाग 4 : इस भाग में आप साप्ताहिक आकलन और कक्षा के अंत मे किए जाने वाले एंडलाइन आकलन के बारे में समझेंगे।

उम्मीद है कि स्कूल खुलते ही आधारशिला क्रियान्वयन शिक्षक संदर्शिका भी आप सभी को मिल जाएगी। कविताओं और कहानियों के संग्रह आप आधारशिला क्रियान्वयन शिक्षक संदर्शिका कक्षा–2 के अंतिम के कुछ पन्नों में देख सकते हैं और उनका उपयोग कर सकते हैं। इस संदर्शिका से भी कई बिन्दुओं को उपचारात्मक शिक्षण में शामिल किया गया है।

नोट : इस संदर्शिका के विभिन्न पृष्ठों के निचले हिस्से पर QR कोड्स दिए गए हैं। इन्हें स्कैन करें और प्रभावी शिक्षण प्रक्रिया के लिए इस्तेमाल में लाएँ। इनमें, सहज पुस्तकें, प्रेरणा सूची आदि शिक्षण योजना से संबंधित अलग–अलग सामग्री हैं। QR कोड्स की सूची इस संदर्शिका के अंतिम पृष्ठ पर दी गई हैं।

इस संदर्शिका में 'शिक्षक' शब्द का प्रयोग, शिक्षिका और शिक्षक दोनों के लिए किया गया है।

J6H5Q3

2. 'समृद्ध' कार्यक्रम का परिचय

हम सभी जानते हैं कि इस साल कोरोना वायरस के फैलने के कारण हमारा सामान्य जीवन कई स्तरों पर प्रभावित हुआ है। इस अभूतपूर्व संकट ने देश के सभी शैक्षिक संस्थानों के सामने ऐसी चुनौती खड़ी कर दी जो शायद ही हमने कभी देखी और सुनी हो। मार्च 2020 के अंतिम सप्ताह से ही देशव्यापी लॉकडाउन के कारण अन्य संस्थानों की तरह ही देश भर के शैक्षिक संस्थान भी बंद करने पड़े।

उत्तर प्रदेश भी देशव्यापी लॉकडाउन का हिस्सा बना और यहाँ के शैक्षिक संस्थान भी उन्ही चुनौतियों से गुज़रने लगे जिनका कि पूरा देश ही सामना कर रहा था। मार्च के महीने में बंद हुए हमारे स्कूल महीनों तक खुल ही नहीं पाए।

प्राथमिक विद्यालयों में लंबी स्कूलबंदी की वजह से बच्चों के पढ़ने–लिखने की प्रक्रिया व्यापक तौर पर प्रतिकूल रूप से प्रभावित हुई। इस स्कूलबंदी के दौरान बच्चों के शैक्षिक विकास की प्रदेशव्यापी कारगर योजना भी नहीं बन पाई। हालाँकि शिक्षा विभाग और हमारे उत्साही शिक्षकों ने कुछ प्रयास किये, फिर भी प्राथमिक स्तर के बच्चों के लिए नियमित स्कूलों की कमी को इस तरह के कार्य पूरा नहीं कर पाते। निःसंदेह इस विशेष परिस्थिति में बच्चों के अधिगम हानि (Learning Loss) के कारण अधिगम स्तरों में भी हुई होगी।

अधिगम स्तर में आने वाली गिरावट को सुधारने के लिए और बच्चों को उनके कक्षा के अधिगम स्तर तक पहुँचाने के लिए हमें इस वर्ष बहुत कम समय मिलने वाला है। इस कम समय में अपेक्षित लक्ष्य हासिल करने के लिए निः संदेह हमें कुछ विशेष प्रयास करने होंगे। इसी विशेष प्रयास के तहत उत्तर प्रदेश सरकार और समग्र शिक्षा के द्वारा मिशन प्रेरणा के तहत कक्षा 2 और 3 के लिए **'समृद्ध' कार्यक्रम** चलाया जा रहा है। इस कार्यक्रम के अंतर्गत कक्षा 2 और 3 के लिए आठ सप्ताह का विशेष 'उपचारात्मक शिक्षण' की विशेष योजना बनाई है।

3. उपचारात्मक शिक्षण का उद्देश्य और रूपरेखा

'समृद्ध' कार्यक्रम के अंतर्गत निम्नलिखित उद्देश्यों को ध्यान में रखकर उपचारात्मक शिक्षण योजना तैयार की गई हैं :

- योजनाबद्ध तरीके से शिक्षण करते हुए सभी विद्यार्थियों को न्यूनतम अधिगम स्तर तक ले जाना।
- आगामी वर्ष के नए अकादमिक सत्र के लिए विद्यार्थियों को बेहतर रूप से तैयार करना।

कार्यक्रम की रूपरेखा

उपचारात्मक शिक्षण की यह विशेष योजना कुल 8 सप्ताहों में पूरी की जाएगी। प्रतिदिन कुल 3 कालांशों में बच्चों के साथ योजनाबद्ध तरीके से शिक्षण कार्य किया जाएगा। कार्यक्रम के प्रारंभ में इसके लिए कक्षा–2 और कक्षा–3 के सभी बच्चों का बेसलाइन आकलन किया जाएगा जिसके आधार पर प्रत्येक बच्चे का स्तर निर्धारित किया जाएगा तथा उसके स्तर के अनुरूप दो समूहों में बाँटकर शिक्षण कार्य किया जाएगा।

साप्ताहिक आकलन के द्वारा बच्चों के सीखने की उपलब्धि की प्रगति का अवलोकन किया जाएगा। कार्यक्रम के दौरान जो विद्यार्थी पीछे रह जाएँगे, उनके लिए विशेष अभ्यास कार्य और पुनरावृत्ति की योजना भी रखी जाएगी ताकि वे भी अपेक्षित अधिगम स्तरों को प्राप्त कर सकें।

कार्यक्रम की रूपरेखा को निम्न डायग्राम से भी समझा जा सकता है।

8 सप्ताह के इस उपचारात्मक शिक्षण योजना की शुरुआत के पहले स्कूल खुलते ही बच्चों के साथ एक सप्ताह तक उत्साहवर्द्धक गतिविधियाँ और बेसलाइन आकलन करने की योजना है। इसे हमने शून्य सप्ताह का नाम दिया है। इस शून्य सप्ताह में शिक्षक, बच्चों से रूबरू होंगे और वे कुछ खेलों, गतिविधियों और अन्य क्रियाओं के द्वारा बच्चों को सहज करने का काम करेंगे। इसी शून्य सप्ताह में शिक्षक, बच्चों का बेसलाइन आकलन करेंगे ताकि वे बच्चों के वास्तविक अधिगम स्तर से परिचित हो सकें और उसी के आधार पर अपनी शिक्षण योजनाओं का कक्षा–कक्ष में क्रियान्वयन करें।

उपचारात्मक शिक्षण योजना को प्रभावी ढंग से क्रियान्वित करने के लिए शिक्षक पाठ्यपुस्तक, कार्यपुस्तिका, चित्र चार्ट, पोस्टर, सहज पठन पुस्तिका आदि जैसी शिक्षण सामग्रियों का उपयोग करेंगे।

कक्षा में दो तरह के शिक्षण कार्य होंगे– पहला, कक्षा के लिए निर्धारित प्रेरणा सूची की दक्षताओं के अनुरूप मौखिक भाषा विकास से जुड़े कार्य। दूसरा, स्तरानुसार उपचारात्मक शिक्षण जिसमें कक्षा–2 और कक्षा–3 के बच्चों को दो स्तरों में बाँटकर कार्य किया जाएगा। उदाहरण के लिए – बेसलाइन आकलन के बाद कक्षा के सभी बच्चों को दो स्तरों में बाँटा जाएगा जिनके साथ द्वितीय एवं तृतीय कालांश में निर्धारित स्तर के अनुरूप कार्य किया जाएगा। इस पर विस्तार से आगे बातचीत की गई है।

उम्मीद है कि इस उपचारात्मक शिक्षण योजना के सफल क्रियान्वयन के बाद सभी बच्चे अपेक्षित अधिगम स्तर को प्राप्त कर पाएँगे और अगली कक्षा के लिए मजबूत आधार बना पाएँगे।

4. कक्षा 2 व 3 में उपलब्ध भाषा कालांश एवं कक्षा प्रबंधन

कक्षा 2 व 3 में भाषा शिक्षण हेतु 40–40 मिनट के 3 कालांश उपलब्ध हैं। प्रथम कालांश (40 मिनट) में पाठ्यपुस्तक एवं अन्य सहायक सामग्री की मदद से मौखिक भाषा के विकास पर आधारित शिक्षण कार्य होगा।

द्वितीय और तृतीय कालांश (80 मिनट) में डिकोडिंग कौशल की पुनरावृत्ति पर आधारित कार्य होगा। इसके तहत, 55–60 मिनट डिकोडिंग के आधारभूत कौशल (जैसे– वर्ण/मात्रा की पहचान, ब्लैडिंग और शब्द पठन) पर व्यावहारिक तरीके से कार्य किया जाएगा। बाकी बचे 20–25 मिनट शिक्षक के मार्गदर्शन में बच्चों को सरल वाक्य और छोटे–छोटे पाठ पढ़ने का अभ्यास करेंगे।

आइए, इसे निम्न डायग्राम से समझते हैं–

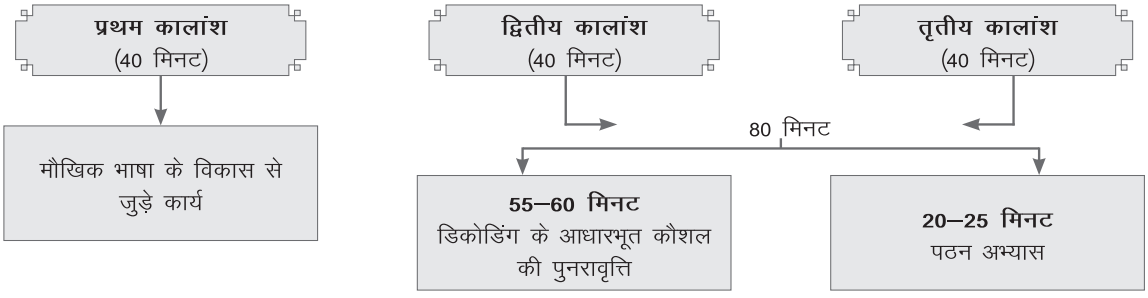

प्रथम कालांश में सभी बच्चों के लिए उनकी कक्षा के स्तर की मौखिक गतिविधियाँ आयोजित की जाएँगी। इसके बाद कक्षा–2 और 3 के बच्चों को दो स्तरों में बाँटकर स्तर आधारित शिक्षण कार्य किया जाएगा। यह स्तर निर्धारण बेसलाइन आकलन के आधार पर किया जाएगा।

डिकोडिंग किसे कहते हैं?

अक्षर और ध्वनि के संबंध के आधार पर किसी शब्द को प्रिंट से ध्वनि में बदल कर उच्चारित करने की क्षमता को डिकोडिंग कहते हैं। इस चरण में किसी शब्द के अलग–अलग अक्षरों की ध्वनियों को पहचानना, ध्वनियों को आपस में जोड़ना, पूरे शब्द को एक साथ उच्चारित करना (या पढ़ना) और उसका अर्थ समझना, (यदि वह शब्द पहले ज्ञात है) आदि प्रक्रियाएँ होती हैं। आधारशिला क्रियान्वयन संदर्शिका, कक्षा–2, भाग–1, पाठ–5, पृष्ठ–12 पर इस पर विस्तृत चर्चा की गईं हैं।

5. उपचारात्मक शिक्षण के लिए आकलन

आकलन कक्षा–कक्ष में शिक्षण प्रक्रिया का एक अभिन्न अंग है। आकलन ही वह प्रक्रिया है जिससे एक तरफ शिक्षक को यह पता चलता है कि उसके विद्यार्थी कक्षा–कक्ष में कितना सीख पा रहे हैं और अपनाई जा रही शिक्षण प्रक्रिया कितनी कारगर है। एक बेहतर आकलन, शिक्षक को ठहरकर सोचने का मौका देता है कि उसे उसकी शिक्षण प्रक्रिया में कौन से बदलाव करने ज़रूरी हैं।

8 सप्ताह के इस विशेष उपचारात्मक शिक्षण योजना में भी आकलन की व्यवस्था की गयी है जिससे शिक्षक अपनी शिक्षण योजनाओं में बदलाव करते हुए, बच्चों को कैसे बेहतर ढंग से सिखाया जाए इसका अवसर देते हुए, बच्चों का बेहतर ढंग से सीखना सुनिश्चित कर सकते हैं।

उपचारात्मक शिक्षण योजना में आकलन को तीन मुख्य चरणों में बाँटा गया है।

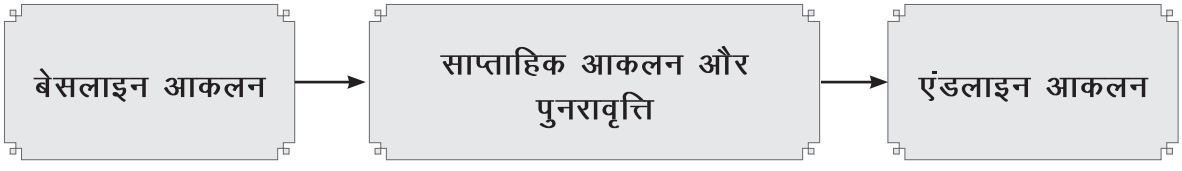

बेसलाइन आकलन

कार्यक्रम के प्रारंभ में शून्य सप्ताह के दौरान कक्षा–2 और 3 के सभी बच्चों का आकलन किया जाएगा। इस आकलन के द्वारा शिक्षक बच्चों के वास्तविक अधिगम स्तर को जान पाएँगें। वास्तविक अधिगम स्तर की जानकारी के बाद ही एक बेहतर शिक्षण योजना बनाई जाएगी।

बेसलाइन आकलन के लिए निम्न प्रक्रियाओं का पालन करना होगा।

- कक्षा 2 और 3 के बच्चे का आकलन मुख्य रूप से शब्द पहचान पर आधारित होगा।
- आकलन के लिए एक जाँच प्रपत्र तैयार किया गया है। इसमें कुल 20 शब्द हैं। ये शब्द कक्षा–1 के अधिगम स्तर के सरल शब्द हैं। इन शब्दों के चयन में बच्चों के स्तर का ध्यान रखा गया है।
- इस आकलन के आधार पर बच्चों के डिकोडिंग स्तर का निर्धारण किया जाएगा। कक्षा 2–3 के सभी बच्चों का आकलन दिए गए टूल का उपयोग करके किया जाएगा।
- स्तर निर्धारण हेतु डिकोडिंग कार्य को आधार माना गया है–
  - – स्तर 1 के बच्चों के साथ वर्ण/मात्रा व शब्द पहचान पर व्यवस्थित रूप से कार्य होगा।
  - – स्तर 2 के बच्चों के साथ शब्द और वाक्य पर व्यवस्थित रूप से कार्य होगा।

बेसलाइन आकलन कैसे करें?

इस आकलन के लिए बच्चों को सहज बनाना ज़रूरी है। आप बच्चों का सीधे आकलन ना करें। प्रत्येक बच्चे के साथ थोड़ी बातचीत कर उसे सहज महसूस करवाएँ।

- बेसलाइन आकलन के लिए आपको प्रपत्र दिये गए हैं –
  – **शब्द पठन कार्ड** : बच्चों से शब्द पढ़वाएँ। इस संदर्शिका के आखिरी पृष्ठ पर भी पढ़ने के लिए शब्द पठन कार्ड दिया गया है। आप इसे फाड़ कर रख लें और आकलन के दौरान बच्चों को पढ़ने के लिए दें।
  – **स्कोरिंग प्रपत्र** : अगले पृष्ठ पर स्कोरिंग प्रपत्र है। इस प्रपत्र में प्रत्येक बच्चे का प्रत्येक शब्द के अनुसार सही/गलत लिखें।
- बेसलाइन आकलन के लिए दिए शब्द पठन कार्ड से बच्चे को शब्द पढ़ने को कहें।
- बच्चे कार्ड से पढ़ेंगे और आप 'स्कोरिंग प्रपत्र' में नोट करेंगे। शब्द कार्ड और स्कोरिंग प्रपत्र में एक ही तालिका है।
- सीधे शब्द पठन कार्ड से जाँचने से पूर्व बच्चों को बॉक्स में दिए गए शब्दों **(कल, नाम, ताला)** को पढ़कर बताएँ कि उन्हें किस तरह पढ़ना है।
- किसी 'शब्द' को पूरा एक साथ पढ़ना सही माना जाएगा। शब्द के सिर्फ अक्षरों को पहचानना शब्द पठन नहीं माना जाएगा। सही पढ़े गए शब्द के नीचे '1' लिखें।
- जब बच्चा कोई गलत शब्द पढ़े तो उस शब्द के नीचे '0' का निशान लगा दें। अगर बच्चा किसी शब्द पर पाँच सैकेंड से ज्यादा देर तक अटक जाता है, तो उसे आगे के शब्द पढ़ने को कहें। अटके शब्द को गलत मानें।
- अगर बच्चा पहली पंक्ति का एक भी शब्द नहीं पढ़ पाता है तो उसे आगे पढ़ने से रोक दें। उसकी उपलब्धि में '0' लिख दें।
- अगर कोई बच्चा पहले गलत पढ़ता है और फिर उसे वापस सही पढ़ता है तो इस शब्द को सही मानें। अगर आपने '0' लिख दिया था तो उसे '1' बना दें। सही पढ़े गए शब्दों की अंतिम गिनती करें।
- अंत में, स्कोरिंग प्रपत्र में दिए गए खाने में सही पढ़े गए शब्दों की संख्या यानि '1' गिनकर लिखें।

कल	नाम	ताला

शब्द पठन कार्ड

(1) घर	(2) बस	(3) मन	(4) नयन
(5) घास	(6) पुल	(7) सात	(8) माला
(9) गरमी	(10) पतंग	(11) लकड़ी	(12) अपना
(13) जूता	(14) खिड़की	(15) जलेबी	(16) गुलाल
(17) मिठाई	(18) चिकनी	(19) खुरपी	(20) कैलाश

शब्द पठन स्कोरिंग प्रपत्र (बेसलाइन)

क्रम	बच्चे का नाम	कक्षा	घर	बस	मन	नयन	घास	पुल	सात	माला	गरमी	पतंग	लकड़ी	अपना	जूता	खिड़की	जलेबी	गुलाल	मिठाई	चिकनी	खुरपी	कैलाश	सही पढ़े गए शब्दों के अंकों का योग	बच्चे का स्तर
1																								
2																								
3																								
4																								
5																								
6																								
7																								
8																								
9																								
10																								
11																								
12																								
13																								
14																								
15																								
16																								
17																								
18																								
19																								
20																								

शब्द पठन स्कोरिंग प्रपत्र (बेसलाइन)

क्रम	बच्चे का नाम	कक्षा	घर	बस	मन	नयन	घास	फूल	सात	माला	गरमी	पतंग	लकड़ी	अपना	जूता	खिड़की	जलेबी	गुलाल	मिठाई	चिकनी	खुरपी	कैलाश	सही पढ़े गए शब्दों के अंकों का योग	बच्चे का स्तर
21																								
22																								
23																								
24																								
25																								
26																								
27																								
28																								
29																								
30																								
31																								
32																								
33																								
34																								
35																								
36																								
37																								
38																								
39																								
40																								

नोट : अगर बच्चों की संख्या ज्यादा हो तो आप इसी तरह का प्रपत्र तैयार कर उसमें बच्चों की उपलब्धि को नोट करें।

बेसलाइन आकलन के आधार पर बच्चों के स्तर का निर्धारण

सभी बच्चों को बेसलाइन आकलन के बाद दो स्तरों में रखा जाएगा। इसका निर्धारण नीचे दी गई तालिका दिया गया है–

बच्चों की उपलब्धि	निर्धारित स्तर	निर्धारित स्तर के अनुसार शिक्षण कार्य
10 या उससे कम शब्द पढ़ पाना	स्तर 1	जो बच्चे 10 शब्द या इससे कम पढ़ पाएँगे, उनके साथ स्तर 1 की गतिविधियाँ की जाएँगी जिसमें प्रमुख रूप से वर्ण/मात्रा पहचान व शब्द पठन पर कार्य किया जाएगा। इन बच्चों को समूह 1 में रखा जाएगा।
11 और इसके अधिक शब्द पढ़ पाना	स्तर 2	जो बच्चे 11 या अधिक शब्द पढ़ पाएँगे उनके साथ स्तर 2 की गतिविधियाँ की जाएँगी जिसमें वर्ण/मात्रा को दोहराना, शब्द व वाक्य पर कार्य किया जाएगा। इन बच्चों को समूह 2 में रखा जाएगा।

नोट : इन दोनों स्तरों के बच्चों के साथ काम कैसे किया जाना है। इस पर विस्तार से आगे चर्चा की गई है।

उपर्युक्त विवरण के आधार पर स्कोरिंग प्रपत्र के अंतिम खाने 'स्तर' में बच्चों की उपलब्धि का स्तर लिखें। स्तर निर्धारण आपके लिए कक्षा में डिकोडिंग शिक्षण की तैयारी का पहला कदम है।

आइए, एक बार फिर से पूरी प्रक्रिया को समझ लें :

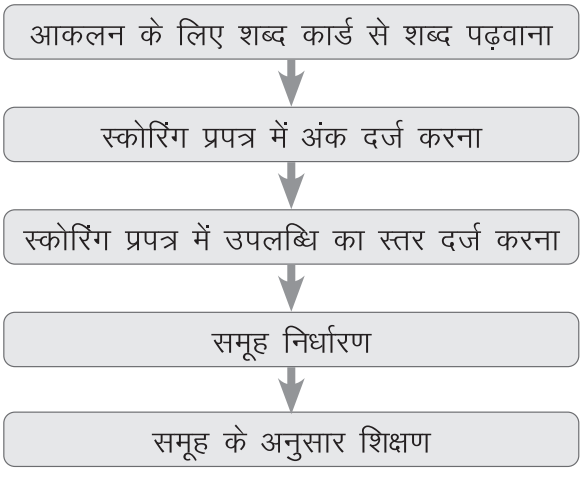

आठ सप्ताह के शिक्षण कार्य के बाद इन्हीं बच्चों का पुनः आकलन किया जाएगा और जो बच्चे उपलब्धि स्तर में पीछे होंगे, उन्हें आगे के शिक्षण के दौरान विशेष मदद और समय दिया जाएगा।

6. प्रेरणा सूची की दक्षताओं पर कार्य

आपके विद्यालय में सभी कक्षाओं के लिए प्रेरणा सूची दी गई हैं। कक्षा में आप प्रेरणा सूची की दक्षताओं को ध्यान में रखकर निर्धारित गतिविधियों का आयोजन करते हैं।

आठ सप्ताह के उपचारात्मक शिक्षण में यह ध्यान रखने की ज़रूरत है कि हम बच्चों की पिछली कक्षा की दक्षताओं को प्राप्त करने का लक्ष्य लेकर कार्य करने वाले हैं। इसका मतलब यह हुआ कि स्तर–1 के बच्चों के लिए कक्षा–1 की प्रेरणा सूची की डिकोडिंग से जुड़ी कुछ मुख्य दक्षताओं पर कार्य किया जाएगा।

उसी तरह, स्तर–2 के बच्चों के साथ भी कक्षा–1 और कक्षा–2 की प्रेरणा सूची की दक्षताओं पर कार्य होगा। इन दक्षताओं को निम्न रूप में व्यवस्थित करके एक अधिगम लक्ष्य के रूप में रखा गया है:

स्तर–1	स्तर–2
• हिंदी वर्णमाला के सभी वर्णों/अक्षरों को पहचान कर लिख पाते हैं। • दो या तीन अक्षर के मात्रिक/अमात्रिक शब्दों को पढ़ पाते हैं। • सरल व परिचित शब्दों को लिख पाते हैं। • सुनी हुई कहानी या घटना को अपनी भाषा में व्यक्त कर पाते हैं।	• 3 या 4 अक्षर के अमात्रिक व मात्रिक शब्दों को उचित प्रवाह के साथ पढ़ पाते हैं। • सरल वाक्यों को प्रवाह के साथ पढ़ पाते हैं। • परिचित संदर्भ के तीन या चार शब्दों के वाक्यों को लिख पाते हैं। • सुनी हुई कहानी या घटना को अपनी भाषा में व्यक्त कर पाते हैं।

कक्षा स्तर के प्रेरणा सूची देखने के लिए नीचे दिए गए QR Code को स्कैन करें।

कक्षा–1	कक्षा–2	कक्षा–3

ध्यान देने योग्य बातें:

प्रथम कालांश में कक्षा–स्तर की सामग्री के साथ मौखिक भाषा विकास से जुड़ी प्रेरणा सूची की दक्षताओं पर कार्य होगा। मगर इन गतिविधियों पर कार्य करते समय पिछली कक्षा की दक्षताओं के दोहरान पर ज़ोर दें।

7. दैनिक कालांश का विवरण

इस संदर्शिका में पहले भी चर्चा की गई है कि कक्षा–2 एवं 3 में कुल तीन कालांश होंगे। प्रथम कालांश में कक्षा के स्तर के अनुरूप मौखिक भाषा विकास पर कार्य होगा जबकि बाकी दोनों कालांशों में उपचारात्मक शिक्षण कार्य होगा। इसके बारे में विस्तृत जानकारी नीचे दी गई है।

प्रथम कालांश (कक्षा के अनुसार कार्य) : प्रथम कालांश में (40 मिनट) मौखिक भाषा के विकास के लिए पाठ्यपुस्तक कलरव तथा सहायक शिक्षण सामग्री जैसे, कहानी/कविता पोस्टर, चित्र चार्ट के चित्रों पर मौखिक गतिविधियाँ की जाएँगी। इसमें बच्चे कक्षा के अनुसार बैठेंगे। प्रथम कालांश का समय विभाजन इस तरीके से होगा –

प्रथम कालांश का दैनिक शिक्षण कार्य	
5–10 मिनट	अनुकूल वातावरण निर्माण के लिए प्रतिदिन कविता या खेल गतिविधि का आयोजन किया जाएगा। आधारशिला क्रियान्वयन संदर्शिका से आप गतिविधियों का चयन कर लें।
25–30 मिनट	मौखिक भाषा के विकास के लिए कलरव–2 तथा सहायक शिक्षण सामग्री (चित्र चार्ट, कहानी/कविता पोस्टर) की मदद से मौखिक गतिविधियाँ की जाएँगी।

द्वितीय एवं तृतीय कालांश (स्तर के अनुसार कार्य) : द्वितीय एवं तृतीय कालांश में कुल 80 मिनट का समय है। इसमें लगभग 50–55 मिनट वर्ण/मात्रा पहचान एवं अभ्यास पुस्तिका पर अभ्यास कार्य तथा लगभग 25 मिनट सहज (पठन पुस्तिका) पर कार्य के लिए दिया जाएगा।

इस तालिका में बेसलाइन आकलन के आधार पर दोनों समूह स्तर 1 व स्तर 2 के लिए अलग–अलग कार्य निर्धारित किए गए हैं।

द्वितीय एवं तृतीय कालांश का दैनिक शिक्षण कार्य		
समय	**स्तर–1**	**स्तर–2**
20–25 मिनट	वर्ण/मात्रा के पहचान और शब्दों पर कार्य	वर्ण/मात्रा पहचान, शब्द और वाक्य पर कार्य
25–30 मिनट	अभ्यास पुस्तिका (स्तर–1) पर अभ्यास कार्य	अभ्यास पुस्तिका (स्तर–2) पर अभ्यास कार्य
20–25 मिनट	सहज–1 पर कार्य – पठन और मौखिक कार्य	सहज–1 व 2 पर कार्य–शब्द पठन, वाक्य पठन पर कार्य

8. उपचारात्मक शिक्षण योजना हेतु उपलब्ध शिक्षण सामग्री

8 सप्ताह की इस शिक्षण योजना हेतु शिक्षकों के पास कई तरह की सामग्रियाँ उपलब्ध हैं। सामग्रियों का विवरण निम्नवत देखा जा सकता है।

सामग्री का नाम	उपयोगिता
चित्र चार्ट 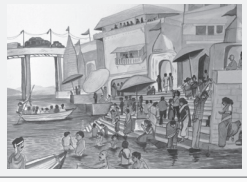	अलग–अलग विषयों पर 1 सेट में कुल 10 चित्र चार्ट दिए गए हैं। इसका उपयोग मौखिक अभिव्यक्ति, वर्णन एवं मौखिक शब्दावली विकास की गतिविधि–चित्र चार्ट पर चर्चा के दौरान किया जाएगा। कलरव के चित्रों को भी उपयोग में लाया जाना चाहिए।
कविता पोस्टर	कक्षा–2 एव 3 में कुल 5 कविता पोस्टर दिए जाएँगे। इनका उपयोग कविताओं को गाने और पठन पर कार्य करने के लिए किया जाएगा।
कहानी पोस्टर	इस सत्र में कक्षा–2 एव 3 में कुल 5 कहानी पोस्टर दिए जाएंगे। इनका उपयोग प्रवाहपूर्ण पठन एवं समझ के साथ पठन हेतु किया जाएगा।
कलरव कक्षा 2 और 3	तीसरे कालांश में कक्षा 2 व 3 के बच्चों के साथ पाठ्यपुस्तक की मदद से दिए गए पाठों पर मौखिक कार्य किया जाएगा।
उपचारात्मक अभ्यास पुस्तिका स्तर 1 और स्तर 2	कक्षा 2 व 3 के बच्चों के लिए उपचारात्मक दो अभ्यास पुस्तिकाएँ बनाई गई हैं। स्तर 1 के बच्चों के साथ, वर्ण/मात्रा पहचान, शब्द पठन पर काम होगा। प्रत्येक दिन बच्चे एक पाठ पर काम करेंगें। जबकि स्तर 2 के बच्चों के साथ, वर्ण/मात्रा का दोहरान, शब्द व वाक्य पठन पर काम होगा। यह अभ्यास पुस्तिका पठन और लेखन दोनों प्रकार के अभ्यास के लिए है।
सहज–1 व 2	सहज बच्चों के पढ़ने के अभ्यास के लिए बनाई गई है। स्तर 1 के बच्चों के साथ सहज–1 पर काम किया जाएगा। जबकि स्तर 2 के बच्चों के साथ सहज–1 व 2 दोनों पर काम किया जाएगा। सहज–1 व 2 आपके विद्यालय में उपलब्ध होगी। उपचारात्मक शिक्षण के दौरान सहज की प्रतियाँ कक्षा में ही रखें। अगर सहज की प्रतियाँ कम हैं तो समूह बनाकर इस पर काम करें।

D9R1N1

9. प्रथम कालांश की दैनिक शिक्षण योजना

इस 8 सप्ताह के कार्यक्रम में शिक्षकों के लिए दो प्रकार के शिक्षण कार्य हैं–

1. मौखिक भाषा विकास से जुड़े कार्य : प्रथम कालांश में
2. डिकोडिंग कौशल पर उपचारात्मक कार्य : द्वितीय और तृतीय कालांश में

इन तीनों कलांशों में शिक्षक व्यवस्थित और प्रभावी तरीके से कार्य कर पाएँ, इसके लिए दैनिक शिक्षण योजना तैयार की गई है। इस संदर्शिका की पृष्ठ संख्या 16 से 23 तक प्रथम कालांश की योजना आगे एक तालिका के रूप में दी गई है। आइए, इस योजना को पहले विस्तार से समझते हैं:

- इस योजना को सप्ताह के 6 दिन के शिक्षण दिवस का आधार बनाया गया है। इसलिए इसे सप्ताहवार प्रस्तुत किया गया है।
- शिक्षण योजना में कक्षा–2 और कक्षा 3 दोनों के लिए तय की गई गतिविधियाँ अलग–अलग खानों में शामिल की गईं हैं। अगर आप कक्षा–2 के लिए शिक्षण कार्य कर रहे हैं तो कक्षा–2 वाले कॉलम को देखकर अपना शिक्षण कार्य करें।
- इस योजना में संक्षेप में बताया गया है कि आज आप कौन–सी गतिविधियाँ करेंगे, कौन–सी सामग्री होगी कौन–सा पाठ होगा, साथ ही आवश्यकतानुसार सामग्री और पाठ का नाम भी दिया गया है।
- किसी गतिविधि को कैसे आयोजित किया जाए इसके लिए तालिका के अंत में यानी आठवें सप्ताह के बाद पृष्ठ संख्या 21 से 23 तक विस्तृत जानकारी दी गई है। आप पहले इन गतिविधियों को अच्छी तरह समझ लें। इस कार्यक्रम के प्रशिक्षण में भी इन्हें विस्तार से समझाया गया होगा।
- प्रथम कालांश में शुरुआत के 5–10 मिनट का समय बच्चों के साथ मौखिक खेल गतिविधियाँ/गीत/कविता के लिए रखा गया है ताकि शिक्षण से पूर्व बच्चे सहज महसूस कर सकें।
- गतिविधियों के दौरान सभी बच्चों की सक्रिय सहभागिता पर ध्यान दें।
- प्रत्येक सप्ताह के छठें दिन बच्चों के मौखिक भाषा विकास की समझ और अभिव्यक्ति का आकलन करें और साप्ताहिक स्तर पर बच्चों को चिह्नित करें। जो बच्चे समझ और अभिव्यक्ति के स्तर पर पीछे हैं, कक्षा में उनकी भागीदारी बढ़ाने के लिए कार्य करें। उन बच्चों को सहज बातचीत के माध्यम से आगे लाएँ।

सप्ताह–1 पर कार्य करने से पूर्व 'शून्य सप्ताह' की गतिविधियों पर कार्य किया जाएगा। समृद्ध कार्यक्रम की संदर्शिका कक्षा–1 में 'शून्य सप्ताह' से जुड़ी गई गतिविधियाँ दी गई हैं। 'शून्य सप्ताह' में दो उद्देश्यों को पूरा करना है–

पहला, सभी बच्चों का बेसलाइन आकलन।
दूसरा, सहज वातावरण बनाना एवं शिक्षकों और बच्चों के बीच अच्छे संबंध स्थापित करना।

W9M3M5

प्रथम कालांश के लिए सप्ताहवार दैनिक शिक्षण योजना : सप्ताह–1

	कक्षा 2	कक्षा 3
दिन	मौखिक भाषा का विकास (कलरव–2, चित्र चार्ट, पोस्टर)	मौखिक भाषा का विकास (कलरव–3, चित्र चार्ट, पोस्टर)
1	• 'जिसने सूरज चाँद बनाया' (पाठ 1, पृष्ठ 11) कविता का सस्वर गायन। शीर्षक पर चर्चा करना। बच्चों के साथ दो–तीन बार दोहराना। • 'टपका का डर' (पाठ 5, पृष्ठ 21) शिक्षक द्वारा शीर्षक पर चर्चा तथा मौखिक रूप से कहानी सुनाना।	• 'प्रार्थना' (पाठ 1, पृष्ठ 10) कविता को बच्चों के साथ गायन। • कहानी 'मुर्गा और लोमड़ी' (पाठ 2, पृष्ठ 11) मौखिक रूप से सुनाना।
2	• मौखिक खेल गतिविधि। • चित्र चार्ट : 'दंगल' पर चर्चा।	• मौखिक खेल गतिविधि। • कहानी 'मुर्गा और लोमड़ी' (पाठ 2, पृष्ठ 11–12) सुनाना, कहानी की घटनाओं/पात्रों आदि से जुड़ी चर्चा।
3	• 'जिसने सूरज चाँद बनाया' (पाठ 1, पृष्ठ 11) को दुबारा सुनाना और पाठ पर चर्चा। • 'टपका का डर' (पाठ 5, पृष्ठ 21) कहानी की घटनाओं एवं पात्रों पर मौखिक रूप से चर्चा करते हुए शिक्षक द्वारा कहानी सुनाना, चित्र बनाना।	• 'प्रार्थना' (पाठ 1, पृष्ठ 10) कविता बच्चों को सुनाना और साथ में गाना। • अनुभव पर चर्चा : 'बच्चों से बातचीत करें कि जब विद्यालय लम्बे समय तक बंद रहा तो वे अपना समय किस तरह बिताते थे।' आप भी अपना अनुभव बताएँ।
4	• मौखिक खेल गतिविधि। • कविता पोस्टर : 'चींटी' पर कार्य।	• मौखिक खेल गतिविधि। • कविता पोस्टर : 'हाथी' पर चर्चा एवं गतिविधियाँ।
5	• कविता पोस्टर : 'चींटी' कविता सुनना, सुनाना। • कहानी सुनाना और उस पर विस्तृत चर्चा करना (स्थानीय या कक्षा–1 स्तर की कहानी)	• कविता पोस्टर : 'हाथी' कविता सुनना, सुनाना। • अनुभवों पर चर्चा : 'दोस्ती'।
6	• 'टपका का डर' (पाठ 5, पृष्ठ 21–22) कहानी को बच्चों द्वारा अपने शब्दों में सुनाना।	• 'मुर्गा और लोमड़ी' (पाठ 2, पृष्ठ 11–12) कहानी को बच्चों द्वारा अपने शब्दों में सुनाना।

नोट : मौखिक भाषा विकास के लिए खेल गतिविधियाँ इस संदर्शिका के पृष्ठ 24–29 पर दी गई हैं। मौखिक भाषा विकास के लिए गतिविधि, कविता और कहानी का संकलन आधारशिला क्रियान्वयन संदर्शिका कक्षा–2 में भी दिए गए हैं।

प्रथम कालांश के लिए सप्ताहवार दैनिक शिक्षण योजना : सप्ताह–2

	कक्षा 2	कक्षा 3
दिन	मौखिक भाषा का विकास (कलरव–2, चित्र चार्ट, पोस्टर)	मौखिक भाषा का विकास (कलरव–3, चित्र चार्ट, पोस्टर)
1	• 'नंदू को जुकाम' (पाठ 11, पृष्ठ 45) कविता का सस्वर गायन करना। शीर्षक पर बच्चों के साथ चर्चा करना और दो से तीन बार कविता को दोहराना। • 'नाव चली' (पाठ 9, पृष्ठ 37) के शीर्षक पर चर्चा तथा मौखिक रूप कहानी सुनाना।	• 'बादल किसके काका' (पाठ 3, पृष्ठ 14) कविता का सस्वर गायन व शीर्षक पर चर्चा। • 'तालाब में चाँद' (पाठ 4, पृष्ठ 16) कहानी पर चर्चा एवं शिक्षक द्वारा मौखिक रूप से सुनाना।
2	• मौखिक खेल गतिविधि। • 'पास–पड़ोस' (पाठ–2, पृष्ठ 12–13) के चित्र पर चर्चा। चर्चा से संबंधित शब्दों को श्यामपट्ट पर उच्चारण करते हुए लिखें।	• मौखिक खेल गतिविधि। • चित्र चार्ट : 'होली' पर चर्चा।
3	• 'नंदू को जुकाम' (पाठ 11, पृष्ठ 45) दुबारा सुनाना और पाठ पर चर्चा करना। • 'नाव चली' (पाठ 9, पृष्ठ 37–38) कहानी की घटनाओं एवं पात्रों पर शिक्षक द्वारा मौखिक रूप से चर्चा करते हुए कहानी सुनाना।	• 'बादल किसके काका' (पाठ 3, पृष्ठ 14) को मौखिक रूप से सुनना, सुनाना। • कहानी की घटनाओं/पात्रों आदि से जुड़ी चर्चा।
4	• मौखिक खेल गतिविधि। • कविता पोस्टर : 'काशीफल' पर कार्य।	• मौखिक खेल गतिविधि। • कविता पोस्टर : 'बरसात' पर कार्य।
5	• कविता पोस्टर : 'काशीफल' कविता सुनना सुनाना। • अनुभवों पर चर्चा : 'घर के सदस्य'।	• कविता पोस्टर : 'बरसात' कविता सुनना, सुनाना। • अनुभवों पर चर्चा : 'घर के काम'।
6	• मौखिक खेल गतिविधि। • 'नाव चली' (पाठ 9, पृष्ठ 37–38) कहानी बच्चों द्वारा अपने शब्दों में सुनाना।	• मौखिक खेल गतिविधि। • बच्चों द्वारा कहानी अपने शब्दों में सुनाना। (अभी तक सुनी गई कहानियों में से)

A9T6C4

प्रथम कालांश के लिए सप्ताहवार दैनिक शिक्षण योजना : सप्ताह–3

	कक्षा 2	कक्षा 3
दिन	मौखिक भाषा का विकास (कलरव–2, चित्र चार्ट, पोस्टर)	मौखिक भाषा का विकास (कलरव–3, चित्र चार्ट, पोस्टर)
1	• 'हमसे सब कहते' (पाठ 20, पृष्ठ 79) कविता का बच्चों के साथ दो–तीन बार सस्वर गायन। • 'पूँछ हिलाने वाला भेड़िया' (पाठ 21, पृष्ठ 82) शिक्षक द्वारा मौखिक रूप से सुनाना।	• 'सबसे पहले' (पाठ 6, पृष्ठ 25) कविता का सस्वर वाचन। • 'हाथी और खरगोश' (पृष्ठ 31) कहानी शिक्षक द्वारा मौखिक रूप से सुनाना।
2	• मौखिक खेल गतिविधि। • चित्र चार्ट : 'मेला' पर चर्चा। • शिक्षक द्वारा चर्चा पर आधारित शब्दों का लेखन।	• मौखिक खेल गतिविधि। • चित्र चार्ट : 'खेल' पर चर्चा।
3	• 'हमसे सब कहते' (पाठ 20, पृष्ठ 79) कविता का सस्वर गायन। • शिक्षक द्वारा मौखिक रूप से कहानी 'पूँछ हिलाने वाला भेड़िया' की घटनाओं/पात्रों/दैनिक जीवन से जुड़ी चर्चा करना, कहानी पढ़कर सुनाना। • पाठ से संबंधित चित्र बनाना।	• 'सबसे पहले' (पाठ 6, पृष्ठ 25) कविता सुनना, सुनाना। • मौखिक रूप से कहानी की घटनाओं/पात्रों आदि से जुड़ी चर्चा।
4	• मौखिक खेल गतिविधि। • कविता पोस्टर : 'अलमारी' पर कार्य। • कविता से संबंधित चर्चा और शब्द लेखन।	• मौखिक खेल गतिविधि। • कविता पोस्टर : 'चींटी' पर कार्य।
5	• कविता पोस्टर : 'अलमारी' कविता पर कार्य। • अनुभवों पर चर्चा : 'हमारे पेड़–पौधे'।	• कविता पोस्टर : 'चींटी' पर कार्य। • अनुभवों पर चर्चा : 'विद्यालय की साफ–सफाई'।
6	• मौखिक खेल गतिविधि। • बच्चों द्वारा कहानी अपने शब्दों में सुनाना। (अभी तक सुनी गई कहानियों में से)	• मौखिक खेल गतिविधि। • बच्चों द्वारा कहानी अपने शब्दों में सुनाना। (अभी तक सुनी गई कहानियों में से)

प्रथम कालांश के लिए सप्ताहवार दैनिक शिक्षण योजना : सप्ताह–4

	कक्षा 2	कक्षा 3
दिन	मौखिक भाषा का विकास (कलरव–2, चित्र चार्ट, पोस्टर)	मौखिक भाषा का विकास (कलरव–3, चित्र चार्ट, पोस्टर)
1	• 'बया हमारी चिड़िया रानी' (पाठ 3, पृष्ठ 16) कविता का सस्वर गायन। • 'ममता का घर' (पाठ 6, पृष्ठ 26–28) कहानी पर चर्चा एवं शिक्षक द्वारा मौखिक रूप से सुनाना।	• 'अगर पेड़ भी चलते होते' (पाठ 8, पृष्ठ 32) कविता का सस्वर गायन। • 'साहसी सीमा' (पाठ 5, पृष्ठ 19) कहानी पर चर्चा एवं शिक्षक द्वारा मौखिक रूप से सुनाना।
2	• मौखिक खेल गतिविधि। • चित्र चार्ट : 'बाज़ार' पर चर्चा। • शिक्षक द्वारा चर्चा पर आधारित शब्दों का लेखन।	• मौखिक खेल गतिविधि। • चित्र चार्ट : 'फसल' पर चर्चा।
3	• 'कद्दू जी की चली बरात' (पाठ 15, पृष्ठ 59) कविता को सुनाना और कविता पर चर्चा। • 'ममता का घर' (पाठ 6, पृष्ठ 26–28) शिक्षक द्वारा मौखिक रूप से कहानी की घटनाओं पात्रों से संबंधित चर्चा। • पाठ से संबंधित लेखन जैसे चित्र बनाना आदि।	• 'अगर पेड़ भी चलते होते' (पाठ 8, पृष्ठ 32) कविता को सुनना, सुनाना। • मौखिक रूप से कहानी की घटनाओं/ पात्रों आदि से जुड़ी चर्चा।
4	• मौखिक खेल गतिविधि। • कहानी पोस्टर : 'भालू और मदारी' कहानी सुनना, सुनाना। • कहानी से संबंधित चर्चा और शब्द लेखन।	• मौखिक खेल गतिविधि। • कविता पोस्टर : 'अलमारी' कविता सुनना, सुनाना।
5	• 'कद्दू जी की चली बरात' (पाठ 15, पृष्ठ 59) कविता पर विस्तृत चर्चा तथा गायन। • अनुभवों पर चर्चा : 'गरमी का मौसम'।	• कविता पोस्टर : 'अलमारी' कविता पर चर्चा। • अनुभवों पर चर्चा : 'खाना बनाना'।
6	• मौखिक खेल गतिविधि। • बच्चों द्वारा कहानी अपने शब्दों में सुनाना। (अभी तक सुनी गई कहानियों में से)	• मौखिक खेल गतिविधि। • बच्चों द्वारा कहानी अपने शब्दों में सुनाना। (अभी तक सुनी गई कहानियों में से)

T9P8B8

प्रथम कालांश के लिए सप्ताहवार दैनिक शिक्षण योजना : सप्ताह–5

	कक्षा 2	कक्षा 3
दिन	मौखिक भाषा का विकास (कलरव–2, चित्र चार्ट, पोस्टर)	मौखिक भाषा का विकास (कलरव–3, चित्र चार्ट, पोस्टर)
1	• 'हमारे सहयोगी (किसान और डाकिया)' (पाठ 17, पृष्ठ 66–67) कविता पर चर्चा और सुनाना। • 'मेला' (पाठ 8, पृष्ठ 33) शिक्षक द्वारा मौखिक रूप से सुनाना। • पाठ पर सामान्य चर्चा।	• 'पहेलियाँ' (पाठ 11, पृष्ठ 43) सुनाना और बूझना। • 'भलाई की जीत' (पृष्ठ 46) कहानी शिक्षक द्वारा मौखिक रूप से सुनाना।
2	• मौखिक खेल गतिविधि। • चित्र चार्ट : 'खेल' पर चर्चा। • चर्चा से संबंधित कुछ शब्दों का लेखन।	• मौखिक खेल गतिविधि। • चित्र चार्ट : 'नदी' और 'फसल' पर चर्चा।
3	• 'हमारे सहयोगी (किसान और डाकिया)' (पाठ 17, पृष्ठ 66–67) कविता पर चर्चा और सुनाना। • 'मेला' (पाठ 8, पृष्ठ 33) कहानी की घटनाओं पर आधारित शिक्षक द्वारा मौखिक रूप से चर्चा। • पाठ से संबंधित लेखन जैसे चित्र बनाना आदि।	• 'पहेलियाँ' (पाठ 11, पृष्ठ 43) सुनाना और बूझना। • मौखिक रूप से कहानी की घटनाओं/पात्रों आदि से जुड़ी चर्चा।
4	• मौखिक खेल गतिविधि। • कविता पोस्टर : 'हाथी' पर चर्चा। • चर्चा से संबंधित शब्दों का लेखन।	• कहानी पोस्टर : 'भालू और मदारी' पर चर्चा।
5	• 'हमारे सहयोगी' (कुम्हार डॉक्टर) (पाठ 17, पृष्ठ 66–67) कविता पर चर्चा। • अनुभवों पर चर्चा : 'मनपसंद खिलौने'।	• कहानी पोस्टर : 'भालू और मदारी' को सुनाना। • अनुभवों पर चर्चा : 'दुकानें'।
6	• मौखिक खेल गतिविधि। • बच्चों द्वारा कहानी अपने शब्दों में सुनाना। (अभी तक सुनी गई कहानियों में से)	• मौखिक खेल गतिविधि। • बच्चों द्वारा कहानी अपने शब्दों में सुनाना। (अभी तक सुनी गई कहानियों में से)

प्रथम कालांश के लिए सप्ताहवार दैनिक शिक्षण योजना : सप्ताह–6

	कक्षा 2	कक्षा 3
दिन	मौखिक भाषा का विकास (कलरव–2, चित्र चार्ट, पोस्टर)	मौखिक भाषा का विकास (कलरव–3, चित्र चार्ट, पोस्टर)
1	• 'हमारे सहयोगी' (पाठ 17, पृष्ठ 66–67) (कुम्हार डॉक्टर) कविता का गायन। • 'किसान की चतुराई' (पाठ 13, पृष्ठ 51) कहानी शिक्षक द्वारा मौखिक रूप से सुनाना।	• 'चाँद का कुर्ता' (पाठ 12, पृष्ठ 47) का सस्वर वाचन। • 'बन्दर बाँट' (पाठ 10, पृष्ठ 37) कहानी शिक्षक द्वारा मौखिक रूप से सुनाना।
2	• मौखिक खेल गतिविधि। • चित्र चार्ट : 'बरसात' पर चर्चा।	• मौखिक खेल गतिविधि। • चित्र चार्ट : 'मेला' पर चर्चा।
3	• 'हमारे सहयोगी' (पाठ 17, पृष्ठ 66–67) (हलवाई, बढ़ई) कविता पर चर्चा और गायन। • मौखिक रूप से कहानी की घटनाओं पात्रों/दैनिक जीवन से जुड़ी चर्चा।	• 'चाँद का कुर्ता' (पाठ 12, पृष्ठ 45) को सुनना, सुनाना। • कहानी की घटनाओं/पात्रों आदि से जुड़ी चर्चा।
4	• मौखिक खेल गतिविधि। • कविता पोस्टर : 'बरसात' पर चर्चा।	• कविता पोस्टर : 'चींटी' पर चर्चा।
5	• 'हलवाई और बढ़ई' (पाठ 17, पृष्ठ 66–67) कविता पर चर्चा एवं कविता सुनाना। • अनुभवों पर चर्चा : 'बस की यात्रा'।	• कविता/गीत या 'काशीफल' सुनना, सुनाना। • अनुभवों पर चर्चा : 'स्कूल का पहला दिन'।
6	• मौखिक खेल गतिविधि। • बच्चों द्वारा कहानी अपने शब्दों में सुनाना। (अभी तक सुनी गई कहानियों में से)	• मौखिक खेल गतिविधि। • बच्चों द्वारा कहानी अपने शब्दों में सुनाना। (अभी तक सुनी गई कहानियों में से)

U4H2C8

प्रथम कालांश के लिए सप्ताहवार दैनिक शिक्षण योजना : सप्ताह–7

	कक्षा 2	कक्षा 3
दिन	मौखिक भाषा का विकास (कलरव–2, चित्र चार्ट, पोस्टर)	मौखिक भाषा का विकास (कलरव–3, चित्र चार्ट, पोस्टर)
1	'परी' (पाठ 18, पृष्ठ 71) शिक्षक द्वारा मौखिक रूप से सुनाना।	• 'मीठे बोल' (पृष्ठ 61) कविता का सस्वर वाचन। • 'सीख' (पाठ 13, पृष्ठ 49) कहानी शिक्षक द्वारा मौखिक रूप से सुनाना।
2	• मौखिक खेल गतिविधि। • 'कबूतर' (पाठ 7, पृष्ठ 30) मौखिक रूप से कहानी की घटनाओं पात्रों/दैनिक जीवन से जुड़ी चर्चा। • चित्र चार्ट : 'सड़क' पर चर्चा।	• मौखिक खेल गतिविधि। • चित्र चार्ट : 'परिवार' पर चर्चा।
3	• मौखिक खेल गतिविधि। • 'कबूतर' (पाठ 7, पृष्ठ 30) मौखिक रूप से कहानी की घटनाओं पात्रों/दैनिक जीवन से जुड़ी चर्चा। • चित्र चार्ट : 'सड़क' पर चर्चा।	• 'मीठे बोल' (पृष्ठ 61) कविता को सुनना, सुनाना। • मौखिक रूप से कहानी की घटनाओं/पात्रों आदि से जुड़ी चर्चा।
4	• मौखिक खेल गतिविधि। • कहानी पोस्टर : 'रामसहाय की साइकिल' पर चर्चा।	• कहानी पोस्टर : 'पतंग और बकरी' पर चर्चा।
5	• 'कबूतर' (पाठ 7, पृष्ठ 30) कविता पर विस्तृत चर्चा। • अनुभवों पर चर्चा : 'मनपसंद खाना/पकवान'।	• कविता पर विस्तृत चर्चा। • अनुभवों पर चर्चा : 'बरसात का एक दिन'।
6	• मौखिक खेल गतिविधि। • बच्चों द्वारा कहानी अपने शब्दों में सुनाना। (अभी तक सुनी गई कहानियों में से)	• मौखिक खेल गतिविधि। • बच्चों द्वारा कहानी अपने शब्दों में सुनाना। (अभी तक सुनी गई कहानियों में से)

प्रथम कालांश के लिए सप्ताहवार दैनिक शिक्षण योजना : सप्ताह–8

	कक्षा 2	कक्षा 3
दिन	मौखिक भाषा का विकास (कलरव–2, चित्र चार्ट, पोस्टर)	मौखिक भाषा का विकास (कलरव–3, चित्र चार्ट, पोस्टर)
1	• 'दयालु सिद्धार्थ' (पृष्ठ 77) कहानी शिक्षक द्वारा मौखिक रूप से सुनाना।	• 'भारत है मेरा घर' (पाठ 20, पृष्ठ 70) और 'घुमक्कड़ तारक' (पाठ 16, पृष्ठ 58) कहानियाँ शिक्षक द्वारा मौखिक रूप से सुनाना।
2	• मौखिक खेल गतिविधि। • चित्र चार्ट : 'होली' पर चर्चा।	• मौखिक खेल गतिविधि। • चित्र चार्ट : 'बाज़ार' पर चर्चा।
3	• 'दयालु सिद्धार्थ' (पृष्ठ 77) कहानी शिक्षक द्वारा मौखिक रूप से सुनाना। • मौखिक रूप से कहानी की घटनाओं पात्रों/दैनिक जीवन से जुड़ी चर्चा।	• मौखिक खेल गतिविधि। • 'भारत है मेरा घर' (पाठ 20, पृष्ठ 70) कहानी सुनाना और मौखिक रूप से कहानी की घटनाओं/पात्रों आदि से जुड़ी चर्चा।
4	• मौखिक खेल गतिविधि। • कहानी पोस्टर : 'मेंढक का गाना' पर चर्चा।	• मौखिक खेल गतिविधि। • कहानी पोस्टर : 'दो चींटी' पर चर्चा।
5	• कविता सुनाना, चर्चा करना। • अनुभवों पर चर्चा : 'बाज़ार में एक दिन '।	• कविता पर विस्तृत चर्चा। • अनुभवों पर चर्चा : 'फोन से पढ़ना'।
6	• मौखिक खेल गतिविधि। • बच्चों द्वारा कहानी अपने शब्दों में सुनाना। (अभी तक सुनी गई कहानियों में से)	• मौखिक खेल गतिविधि। • बच्चों द्वारा कहानी अपने शब्दों में सुनाना। (अभी तक सुनी गई कहानियों में से)

E3R7J3

10. प्रथम कालांश की गतिविधियों का विवरण

'पाठ्यपुस्तक कलरव' के पाठों तथा सहायक सामग्री पर कैसे कार्य करें?

सप्ताहवार दैनिक योजना के अनुसार पाठ्यपुस्तक तथा सहायक सामग्री की मदद से कविता, कहानी, चित्र चार्ट आदि पर गतिविधियाँ आयोजित की जानी हैं। इन गतिविधियों पर कार्य करने के तरीके नीचे दिए गए हैं–

कविता पर कार्य

कविता पर कार्य करने के लिए निम्न चरणों को पूरा करें–

1. चित्र देखकर अनुमान लगाना – कविता किस बारे में हो सकती है?
2. शिक्षक द्वारा कविता का 2 बार हाव–भाव के साथ आदर्श वाचन करना।
3. शिक्षक और बच्चों द्वारा साथ में कविता गाना।
4. कविता पर आधारित सरल चर्चा। उदाहरण – हमने कौन सी कविता पढ़ी? कविता किसके बारे में थी? ऐसी कोई और कविता सुनी हो, तो बताओ। इत्यादि।
5. फिर से एक–दो बार शिक्षक और बच्चों द्वारा साथ में कविता गाना।
6. बच्चों द्वारा स्वतंत्र रूप से कविता को हाव–भाव के साथ गाया जाना।

कहानी पर कार्य

प्रत्येक कहानी सुनाने और उस पर चर्चा के लिए दो–तीन दिन कार्य किया जाना प्रस्तावित है। कहानी पर कैसे कार्य किया जाएगा, इसका एक ढाँचा नीचे दिया जा रहा है। इसके लिए पाठ–2 'मुर्गा और लोमड़ी' को उदाहरण के लिए लिया गया है।

1. पाठ में कहानी से संबंधित चित्र के आधार पर कहानी के बारे में अनुमान लगाने पर कार्य – उदाहरण चित्रों में क्या दिख रहा है। इन चित्रों को देखकर क्या लग रहा हैं/कहानी किस बारे में है? इस कहानी में कौन–कौन (पात्र) होंगे? कहानी में क्या होगा? कहानी का नाम क्या हो सकता है? आदि। (पाठ–2 'मुर्गा और लोमड़ी' को उदाहरण के लिए लिया गया है।)
   - आपने मुर्गा देखा है? ये कितने रंग का होता है?
   - मुर्गे के कितने पैर होते हैं?
   - लोमड़ी कितने बच्चों ने देखी है?

2. फिर शिक्षक द्वारा कहानी का हाव–भाव के साथ पढ़कर सुनाया या आदर्श वाचन किया जाएगा।

K7T2Y9

3. इसके बाद बच्चों के अनुमान पर बातचीत की जायेगी और शिक्षक द्वारा कहानी से संबंधित कुछ प्रश्न किये जाएँगे। ये प्रश्न कहानी से सीधे जुड़े हों। उसके बाद कुछ ऐसे प्रश्न किए जाएँ जो बच्चों की कल्पना, तर्क, राय, इत्यादि बनाने में मदद करें।
4. कहानी का अंत बदलकर, नया पात्र जोड़कर, कहानी के अंत से नई कहानी बनाना और पहले सुनी गई घटनाओं को जोड़कर कहानी नए सिरे के आधार पर बच्चों से कहानी सुनना। उदाहरण (पाठ–2 मुर्गा और लोमड़ी) के लिए कुछ प्रश्न–
   - यदि मुर्गा लोमड़ी की बात सही मान लेता तो क्या होता।
   - यदि लोमड़ी का समाचार सच होता तो?
   - क्या कहानी का कोई नया नाम हो सकता है?
5. बच्चों द्वारा अपने शब्दों में कहानी सुनाने को कहें।

नोट : आप चरण 4 और 5 को अगले दिन करवाएँ। जब भी कहानी पर कार्य करें, बच्चों को पहले एक बार रोचक तरीके से कहानी अवश्य सुनाएँ। ज़रूरत पड़ने पर कहानी की चर्चा को तीसरे दिन भी ले जा सकते हैं।

'चित्र पर चर्चा' पर कार्य

चित्र पर चर्चा करने के विविध स्तर हो सकते हैं जो क्रमशः सरल यानी जो दिख रहा है, उनके नाम बताने से लेकर कार्य कारण संबंध बताने वाले, तर्क करने वाले और खुद के अनुभवों से जोड़ने वाले हो सकते हैं। बातचीत के लिए बच्चों को अपनी भाषा के उपयोग के मौके मिलने चाहिए। स्थानीय भाषा और सन्दर्भ का इस्तेमाल ऐसी बातचीत के लिए महत्वपूर्ण है। शिक्षक की ओर से ऐसे प्रश्न रखे जाएँ कि बच्चों को चित्रों में अलग–अलग चीज़ों को खोजने उस पर अपने अनुभवों को बता पाने, तर्क कर पाने, घटनाओं पर अनुमान लगा पाने, एक घटना से दूसरी घटना के बीच संबंध बना पाने आदि के मौके मिल सकें।

- **चर्चा की शुरुआत** – चर्चा की शुरुआत कुछ सामान्य बिन्दुओं से करें। इसके लिए इस तरह के प्रश्न किये जा सकते हैं? चित्र में क्या–क्या दिख रहा है? यह चित्र कहाँ का हो सकता है? कौन क्या कर रहा है इत्यादि। ऐसे सामान्य प्रश्नों के द्वारा कोशिश करें कि सभी बच्चे इस प्रक्रिया से जुड़ जाए और चर्चा शुरू हो जाए।
- **चित्रों को अनुभवों से जोड़ना** – अब शिक्षक ऐसे प्रश्न कर सकते हैं जिससे बच्चे अपने परिवार और आसपास होने वाली घटनाओं से अपने आप को जोड़ सकें जैसे – आपने इसे कब देखा है? क्या आपने किसी को ऐसे करते देखा है? आप के घर में यह कौन करता है आदि।
- **विभिन्न अर्थ निर्माण से संबंधित प्रश्न** – इसके अंतर्गत ऐसे प्रश्न पूछे जा सकते हैं जिसमें बच्चों को तर्क करने, कल्पना करने, अनुमान लगाने इत्यादि के मौके मिलें। जैसे – बिल्ली पेड़ के पीछे क्यों छिपी है? गिलहरी क्या सोच रही होगी? अगर यहाँ एक चूहा और एक कुत्ता भी होता तो बंदर क्या कर रहा होता। इत्यादि।

चित्र पर चर्चा के चरण इस डायग्राम के माध्यम से भी समझे जा सकते हैं :

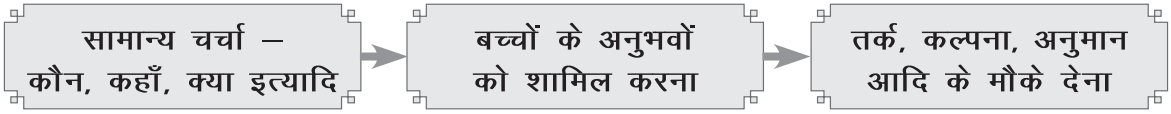

यह गतिविधि सबसे ज़्यादा इस बात पर निर्भर करती है कि शिक्षक कैसे सभी बच्चों को चर्चा के लिए सहज और उत्सुक बनाते हैं। इसमें शिक्षक द्वारा स्थानीय भाषा का उपयोग एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

चर्चा के लिए बैठक व्यवस्था ऐसी हो कि सभी बच्चे चित्र आसानी से देख पाएँ। शुरूआती चर्चा के बाद बच्चों को आपस में चर्चा करने के मौके देना आवश्यक है।

ध्यान देने योग्य बातें:
शिक्षक इस बात का ध्यान रखें कि विभिन्न गतिविधियों के दौरान जब बच्चे बातचीत कर रहे हों, तब उच्चारण संबंधित गलतियों को सुधारने से बचें। ऐसा इसलिए क्योंकि बातचीत के दौरान अगर उच्चारण सही करने पर बच्चों का ध्यान चला जाता है तो वे बोलने से हिचकने लगते हैं और कक्षा की प्रक्रिया में उनकी भागीदारी कम होने लगती है।

पोस्टर पर कार्य

आपकी कक्षा में पाँच कविता पोस्टर और पाँच कहानी पोस्टर दिए गए हैं। आप बच्चों के साथ दी गई योजना के तहत उन पर कार्य करें।

कविता पोस्टर पर कार्य करने के चरण :

1. पोस्टर दिखाकर छात्रों से मौखिक चर्चा करना (10 मिनट) क्या दिख रहा है?, क्या हो रहा है? – जैसे प्रश्नों द्वारा चर्चा करना।
2. कविता का हाव–भाव एवं लय के साथ सुनना और बच्चों के साथ गाना। (5 मिनट)
3. कविता का छात्रों द्वारा सामूहिक एवं एकल रूप में कविता का पुनः पठन करना। (10 मिनट)
4. तत्पश्चात छात्र व शिक्षक द्वारा पुनः खुले व बंद छोर के प्रश्नों द्वारा चर्चा करना।

कहानी पोस्टर पर कार्य करने के चरण :

1. पोस्टर दिखाकर छात्रों से मौखिक चर्चा करना (10 मिनट) क्या दिख रहा है?, क्या हो रहा है? – जैसे प्रश्नों द्वारा चर्चा करना।
2. कहानी का हाव–भाव के साथ पढ़ना और दुबारा कहानी पढ़कर बताना। (5 मिनट)
3. कहानी पर छात्रों के साथ विस्तार से चर्चा करना। (10 मिनट)
4. कुछ शब्दों को बोर्ड पर लिखकर पढ़ने का अभ्यास करवाना।

ध्यान देने योग्य बातें:
पोस्टर से लोगोग्राफ़िक पठन के अभ्यास के मौके भी बच्चों को दें। किसी पोस्टर पर काम करने के दौरान उसमें आए 2–3 मुख्य शब्दों को बोर्ड पर लिखें और उसे छवि की तरह पढ़ने का अभ्यास (लोगोग्राफ़िक पठन) बच्चों से कराएँ। लोगोग्राफ़िक पठन में बच्चे लिखे गए शब्द को चित्र की तरह पहचानने लगते हैं।

मौखिक खेल गतिविधियाँ

आप आवश्यकतानुसार नीचे दी गई गतिविधियों में से चयन कर लें और इन गतिविधियों के लिए दिए गए चरणों का अनुसरण करें :

झोले में से चीज़ निकालकर उसके बारे में बताना

- शिक्षक किसी झोले/बैग में अलग–अलग तरह की चीज़ें डाल लें। ये आस–पास, कक्षा में या घर में उपलब्ध चीज़ें हो सकती हैं। जैसे – गिलास, पेन, मोबाइल, पेंसिल, शार्पनर, किताब, कोई उपलब्ध सब्ज़ी आदि। झोले में कम से कम उतनी चीज़ें हों जितनी बच्चों की संख्या है।
- अब एक–एक बच्चे को बुलाएँ और उससे झोले में से एक चीज़ निकालने को कहें। और बच्चे उस चीज़ के बारे में दो–तीन वाक्य बोलें। ये वाक्य उस चीज़ के बारे में हो सकते हैं, उससे जुड़े हुए उनके या किसी और के अनुभवों के बारे में हो सकते हैं।

चीज़ों पर बातचीत

- अध्यापक बच्चों को गोल घेरे में बिठा दें और कुछ चीज़ें घेरे के बीच में डाल दें। अध्यापक एक गेंद अपने पास रखें और किसी भी बच्चे को घेरे के बीच में बुलाएँ और गेंद उछालने को कहें।
- जिसकी तरफ़ भी गेंद जाएगी, वह बच्चा घेरे के बीच में आएगा और वहाँ रखी किसी एक चीज़ को उठाकर उसके बारे में 2–3 वाक्य बोलेगा।
- जैसे, गेंद गई रामू के पास तो रामू बीच में आएगा और एक चीज़ उठाएगा। उदाहरण के लिए, रामू ने उठाया चॉक। रामू उसके बारे में 2–3 वाक्य बोलेगा। जैसे– चॉक बोर्ड पर लिखने के काम आती है। यह पतली और लंबी होती हैं। यह रंगबिरंगी भी होती है। तोड़ने पर पाउडर बन जाती है। यह आसानी से टूट जाती है।
- यही बच्चा वाक्य बताने के बाद धीरे से गेंद उछालेगा और जिसकी तरफ़ गेंद जाएगी वह बच्चा आगे आएगा और कोई चीज़ उठाकर उसके बारे में 2–3 वाक्य बोलेगा।

मुझे कुछ कहना है

- बच्चे गोल घेरा बना कर बैठ जाएँ।
- अब शिक्षिका गोल घेरे के बाहर घूमें और बोले– अक्कड़–बक्कड़ बम्बे बो अस्सी नब्बे पूरे सौ.....।
- यह बोलते हुए शिक्षिका घूमें और जिस बच्चे के ऊपर सौ आए। उस बच्चे को किसी थीम पर कुछ कहना होगा।
- शिक्षिका थीम सोच सकती है, जिस पर बच्चे को बोलना है। शिक्षिका एक उदाहरण दे सकती है। बच्चे छोटे वाक्य बोल सकते हैं।

पहचानो और बताओ

- बोर्ड पर किसी वस्तु से मिलता–जुलता कोई चित्र बनाएँ और बच्चों को पहचानने को कहें। चित्र घर के सामान, पक्षी, जानवर इत्यादि हो सकते हैं।
- चित्र अस्पष्ट हो ताकि बच्चों को पहचानने में थोड़ी चुनौती मिले।
- बच्चे चित्र पहचानकर उसके बारे में कुछ बताएँ। हर बच्चे को बोलने का मौका दें।
- अगर कोई बच्चा कुछ अलग पहचानता है तो भी उसे वाक्य बोलने को कहें।

Z4C9Z4

पहचानो कौन हूँ मैं?

- बच्चों से कहें कि आपके दिमाग में एक जानवर है। आपके संकेत सुन कर उन्हें बताना है कि वह कौन–सा जानवर है।
- आप कुछ ऐसे संकेत दे सकते हैं– **यह जानवर कार से भी बड़ा है। स्लेटी जैसा रंग है, लेकिन इसके पंख नहीं हैं। इसके शरीर पर बाल भी नही हैं। पंखे जैसे दो बड़े–बड़े कान हैं। पूँछ से लंबी इसकी नाक है। वजन इतना है कि धम–धम चलता है।**
- जो बच्चा सही बता दे, उसे अपनी जगह पर बुलाएँ और खेल को आगे बढ़ाने के लिए कहें। आप उस बच्चे की जगह जाकर बैठ जाएँ और जानवर पहचानने में बच्चों की मदद करें।
- अब यह बच्चा किसी जानवर के बारे में कुछ वाक्य बताए और बाकि बच्चे पहचानने की कोशिश करें।
- यह खेल अन्य चीज़ों के साथ भी खेल सकते हैं। जैसे– पेड़, फल, मौसम, इस्तेमाल में आने वाली वस्तुएँ इत्यादि।

बूझो, मैंने क्या देखा?

- किसी एक बच्चे को कक्षा से बाहर भेजें।
- वह बाहर से कोई भी एक चीज़ चुन कर और उस चीज़ का नाम न लेते हुए उसके बारे में एक वाक्य बताए। उदाहरण के लिए, बच्चा बोला **"मैंने एक भूरी चीज़ देखी"**
- बाकी बच्चे कुछ प्रश्न पूछ कर अंदाज़ा लगाने की कोशिश करेंगे कि वह चीज़ क्या है। प्रश्न ऐसे हों जिनका जवाब केवल हाँ/नहीं में दिया जा सके।
- उदाहरण के लिए, बच्चों ने पूछा– क्या वह स्कूल के अंदर है? नहीं। क्या वह कोई जानवर है? हाँ। क्या तुमने गिलहरी देखी? नहीं। क्या वह कोई चिड़िया है? नहीं। क्या हम उस जानवर को पालते हैं? हाँ। क्या वह कुत्ता है? नहीं। क्या वह गाय है? हाँ। अब बच्चा बताए कि मैंने बाहर एक सफ़ेद गाय देखी।
- इसी तरह अलग–अलग बच्चों को बाहर जाने का और सवालों के जवाब देने का मौका दें।

ओला–ओला बम का गोला

- सभी बच्चे एक गोल घेरे में बैठें। हर बच्चे का दाहिना हाथ दूसरे बच्चे के हाथ के ऊपर और बायाँ हाथ दूसरे बच्चे के हाथ के नीचे हो।
- अब कोई एक बच्चा अपनी दायीं हथेली से दूसरे बच्चे की बायीं हथेली पर ताली मारते हुए बोले **"ओला ओला"**। दूसरा बच्चा तीसरे बच्चे की हथेली पर ताली मारते हुए बोले **"बम का गोला"**। तीसरा बच्चा चौथे बच्चे के हथेली पर ताली मारते हुए बोले **"क्या बताऊँ?"**।
- अब शिक्षक किसी एक श्रेणी की चीज़ों के नाम बताने को बोले, जैसे **"फलों के नाम"**।
- बस फिर क्या! सभी बच्चे एक–दूसरे के हथेली पर ताली मारते हुए अलग–अलग फलों के नाम बताएँ और खेल को आगे बढ़ाएँ।
- कोई बच्चा फल का नाम न बता पाए तो वह अपने से पहले वाले बच्चे के द्वारा बताए गए फल के बारे में एक वाक्य बोले और यह खेल दोबारा शुरू करे।

  (फलों की जगह सब्ज़ी, रंग, पशु–पक्षी इत्यादि के नाम भी ले सकते हैं।)

क्या–क्या होता...

सभी बच्चे गोल घेरे में खड़े हों तथा रेलगाड़ी की तरह गोल घेरे में चलें। शिक्षक घेरे के अन्दर ताली बजाते हुए चक्कर लगाएँ और बोले **"क्या–क्या होता लाल–लाल"**। बच्चे शिक्षक के पीछे दोहराएँ **"क्या–क्या होता लाल–लाल"**।

- अब शिक्षक किसी भी एक बच्चे के सिर पर हाथ रख कर पूछे **"बताओ, क्या–क्या होता लाल–लाल"।**
- बच्चा किसी भी लाल चीज़ का नाम बताए, जैसे **"टमाटर"** और फिर टमाटर के बारे में कोई एक बात बताए।
- इसी तरह फिर बच्चे रेलगाड़ी की तरह गोल घेरे में चलें और **"क्या–क्या होता लाल–लाल"** पूछते हुए खेल को आगे बढाएँ।

(इसी प्रकार, अलग–अलग चीज़ों, जैसे– आकृति (लंबा, गोल), स्वाद (खट्टा, मीठा), अथवा रंग (पीला, हरा) इत्यादि के साथ इस खेल को खेला जा सकता है।)

बच्चों को जोड़ी/समूह में बाँटने का खेल – लालाजी ने लड्डू खाए

- सभी बच्चे एक गोल घेरे में खड़े हों और शिक्षक उनके बीच आ जाएँ।
- बच्चे घेरे में रेलगाड़ी की तरह चक्कर लगाएँ। शिक्षक बोलें, 'लालाजी ने लड्डू खाए', बच्चे जवाब दें, 'बोल भाई कितने'।
- ऐसा कई बार करें परंतु कभी आवाज़ ऊँची करके तो कभी धीमी आवाज़ में। जब शिक्षक ऊँची आवाज़ में बोलें, तब बच्चे भी ऊँची आवाज़ में जवाब दें। जब शिक्षक धीमी आवाज़ में बोलें, तब बच्चे भी धीमी आवाज़ में बोलें।
- कई बार ऐसा करने के बाद, फिर शिक्षक कोई भी एक अंक बोलें– जैसे– दो, या तीन, या चार, आदि।
- शिक्षक ने जो अंक कहा है, उतने बच्चे झट से एक–दूसरे के पास आ जायें।
- यही बच्चों का नया समूह हो सकता है।

ध्यान देने योग्य बातें:

- शिक्षक ऐसे खेल खिलाएँ जिनमें सभी बच्चों को सक्रिय रूप से भागीदारी करने का मौका मिले।
- खेल ऐसे हों जिसमें बच्चों को सुनकर समझने और बोलने का काम निश्चित ही करना पड़े।
- खेल ऐसे हों जिनमें न्यूनतम सामग्री कि ज़रूरत पड़ें।

11. द्वितीय एवं तृतीय कालांश की दैनिक शिक्षण योजना : स्तर–1 और स्तर–2

आइए, द्वितीय एवं तृतीय कालांशों की योजना को विस्तार से समझते हैं:

- इस योजना को सप्ताह के 6 दिन के शिक्षण दिवस का आधार बनाया गया है। इसलिए इसे सप्ताहवार प्रस्तुत किया गया है।
- शिक्षण योजना में कक्षा 2 और कक्षा 3 दोनों के लिए तय की गई गतिविधियाँ अलग–अलग खानों में शामिल की गईं हैं। अगर आप कक्षा 2 के लिए शिक्षण कार्य कर रहे हैं तो कक्षा 2 वाले कॉलम को देखकर अपना शिक्षण कार्य करें।
- इस योजना में संक्षिप्त में यह बताया गया है कि आप आज कौन–सी गतिविधियाँ करेंगे, कौन–सी सामग्री होगी, कौन–सा पाठ होगा, साथ ही आवश्यकतानुसार सामग्री और पाठ का नाम भी दिया गया है।
- किसी गतिविधि को कैसे आयोजित किया जाए इसके लिए तालिका के अंत में यानी आठवें सप्ताह के बाद पृष्ठ संख्या 31 से 41 तक विस्तृत जानकारी दी गई है। आप पहले इन गतिविधियों को अच्छी तरह समझ लें। इस कार्यक्रम के प्रशिक्षण में भी इन्हें विस्तार से समझाया गया होगा।
- प्रत्येक सप्ताह के छठें दिन आकलन एवं पुनरावृत्ति का कार्य किया जाएगा।
- गतिविधियों के दौरान सभी बच्चों की सक्रिय सहभागिता पर ध्यान दें।

स्तर–1 और स्तर–2 के द्वितीय एवं तृतीय कालांशों की डिकोडिंग शिक्षण की साप्ताहिक योजना

सप्ताह	स्तर–1	स्तर–2
1	क, म, ल, र, स, ब, मात्रा 'ा' और शब्द पठन पर कार्य	क, ल, म, र, स, ब, न, प, द, त, ट, ग, च, ख, ध, मात्रा 'ा', मात्रा 'ै', मात्रा 'ी' और शब्द पठन पर कार्य
2	न, प, द, त, ट, ग, मात्रा 'ि' और शब्द पठन पर कार्य	ज, थ, झ, य, आ, ह, भ, ई, श, छ, व, ड, फ, घ, इ, मात्रा 'ॅ', मात्रा 'ु', मात्रा 'ि', मात्रा 'ै', मात्रा 'ी' और शब्द पठन पर कार्य
3	च, ख, ध, ज, य, आ, ह, भ, मात्रा 'ी' और शब्द पठन पर कार्य	ठ, उ, ऊ, ढ, ए, अ, ष, ऐ, ज्ञ, त्र, ओ, अं, ड़, ढ़, औ, ऋ, अः, ण, क्ष, मात्रा 'ू' और शब्द पठन पर कार्य
4	ई, श, छ, व, ड, फ, मात्रा 'ू', मात्रा 'ु' और शब्द पठन पर कार्य	अनुस्वार (ं), चंद्रबिंदु (ँ), ड़, ढ़, शब्दों और सरल वाक्यों पर कार्य
5	ऊ, घ, इ, औ, ठ, ण, मात्रा 'ो', मात्रा 'ॅ' और शब्द पठन पर कार्य	शब्दों और सरल वाक्यों पर कार्य
6	उ, ए, अ, ष, ओ, ऐ, मात्रा 'ौ', मात्रा 'ो', शब्द और सरल वाक्य पठन पर कार्य	शब्दों और सरल पाठों पर कार्य
7	ढ, अं, अः, ढ़, ड़, ऋ, ज्ञ, त्र, क्ष, शब्द और सरल वाक्य पठन पर कार्य	वाक्यों और सरल पाठों पर कार्य
8	शब्दों एवं सरल वाक्यों पर कार्य	वाक्यों और सरल पाठों पर कार्य

नोट : प्रत्येक सप्ताह के छठें दिन आकलन एवं पुनरावृत्ति का कार्य किया जाएगा।

द्वितीय एवं तृतीय कालांश के लिए सप्ताहवार दैनिक शिक्षण योजना : सप्ताह–1

	स्तर 1 (कुल समय 80 मिनट)		स्तर 2 (कुल समय 80 मिनट)	
सामग्री	**अभ्यास पुस्तिका स्तर 1, सहज–1**		**अभ्यास पुस्तिका स्तर 2, सहज–1**	
दिन	वर्ण, शब्द, वाक्य पहचान/पठन एवं लेखन डिकोडिंग की पुनरावृत्ति, पर कार्य (द्वितीय कालांश 50–55 मिनट)	पठन सहज पर कार्य (तृतीय कालांश 20–25 मिनट)	वर्ण/ मात्रा/शब्द परिचय / डिकोडिंग (द्वितीय कालांश 50–55 मिनट) पर कार्य	सहज (तृतीय कालांश 20–25 मिनट)

1	**वर्ण परिचय : 'क'**
	वर्ण पहचान की गतिविधि
	• किसी परिचित शब्द (जैसे– कमल) को बोर्ड पर लिखें और बोलें। फिर उसकी पहली आवाज़ के प्रतीक पर घेरा लगाएँ और बच्चों को बोलकर बताएँ।
	• वर्ण 'क' को बोर्ड पर लिखें और उसका 4–5 बार उच्चारण करके बताएँ। फिर इनमें से कोई दो गतिविधि अवश्य करें:
	  • बच्चों को इस ध्वनि से बनने वाले शब्द बच्चों से पूछें। (कर, कम, कमरा, इत्यादि)
	  • बोर्ड पर लिखाकर बच्चों से इन शब्दों में 'क' वर्ण पर घेरा लगावाएँ।
	  • किताब में 'क' वर्ण को ढूँढकर बताने को कहें।
	अभ्यास पुस्तिका पर कार्य : पाठ 1
	• वर्ण लिखने का तरीका बताएँ।
	• बच्चों से अभ्यास पुस्तिका में वर्ण पहचान और लेखन का कार्य करवाएँ।
		सहज पर दूसरे सप्ताह से कार्य किया जाएगा।	**वर्ण पहचान** : क, म, ल, वर्ण पहचान और लेखन गतिविधियाँ (बोर्ड पर इन वर्णों को लिखकर 4–5 बच्चों से पढ़वाएँ एवं वर्ण को देखकर लिखने को कहें)
			अभ्यास पुस्तिका : पाठ 1
				सहज–1 : शब्द पठन (पृष्ठ 1)
				'बड़ा गुब्बारा' (पाठ 11, पृष्ठ 26) कहानी का पठन

2	**वर्ण परिचय : 'म'** **वर्ण पहचान की गतिविधि** • वर्ण 'म' को बोर्ड पर लिखें और उसका 4–5 बार उच्चारण करके बताएँ। • इस ध्वनि से बनने वाले शब्द बच्चों से पूछें या घेरा लगवाएँ या ढूँढकर बताने को कहें। **अभ्यास पुस्तिका पर कार्य : पाठ 2** • वर्ण लिखने का तरीका बताएँ।		**वर्ण पहचान** : ब, र, स वर्ण पहचान और लेखन गतिविधियाँ	**सहज–1** : शब्द पठन (पृष्ठ 2) 'बड़ा गुब्बारा' (पाठ 11, पृष्ठ 26) कहानी का पठन

<table>
<tr><td></td><td>• बच्चों से अभ्यास पुस्तिका में वर्ण पहचान और लेखन का कार्य करवाएँ।</td><td></td><td>अभ्यास पुस्तिका : पाठ 2</td><td></td></tr>
<tr><td>3</td><td>वर्ण परिचय : 'ल', 'र'
वर्ण पहचान की गतिविधि
• वर्ण 'ल, र' को बोर्ड पर लिखें और उसका 4–5 बार उच्चारण करके बताएँ।
• इस ध्वनि से बनने वाले शब्द बच्चों से पूछें। (या घेरा लगवाना/ढूँढकर बताना)
अभ्यास पुस्तिका पर कार्य : पाठ 3
• वर्ण लिखने का तरीका बताएँ।
• बच्चों से अभ्यास पुस्तिका में वर्ण पहचान और लेखन का कार्य करवाएँ</td><td></td><td>वर्ण पहचान : न, प, द, और 'ा' मात्रा के साथ वर्ण पहचान व लेखन गतिविधियाँ
अभ्यास पुस्तिका : पाठ 3</td><td>सहज–1 : शब्द पठन (पृष्ठ 3)

'पतंग और बकरी' (पाठ 9, पृष्ठ 22) कहानी का पठन</td></tr>
<tr><td>4</td><td>मात्रा पहचान की गतिविधि
• बोर्ड पर 'क' लिखें और उसका उच्चारण करें। फिर 'क' में 'मात्रा– ा' मिलाकर लिखें और उसका उच्चारण करें। 4–5 बार दोनों का उच्चारण करें।
• बोर्ड पर निम्न ग्रिड बनायें और इसके द्वारा बच्चों को पढ़कर इसका अभ्यास करवाएँ:
<table><tr><td></td><td>ा</td></tr><tr><td>क</td><td>का</td></tr><tr><td>म</td><td>मा</td></tr><tr><td>ल</td><td>ला</td></tr><tr><td>र</td><td>रा</td></tr></table>• इस ध्वनि से बनने वाले शब्द बच्चों से पूछें। (जैसे, माला, कार, इत्यादि)
ब्लेंडिंग (वर्ण/अक्षर को जोड़कर शब्द बनाना) का कार्य करवाएँ: बोर्ड पर बॉक्स बनाकर उसमें शब्द के वर्ण/अक्षरों को बोलते हुए लिखें:
<table><tr><td>म</td><td>न</td></tr></table> <table><tr><td>मन</td></tr></table>
• अब इन अक्षरों को जोड़कर बोलते हुए एक साथ शब्द पढ़ें। बच्चों को पीछे–पीछे इसे बोलने को कहें।
• कुछ बच्चों को इन शब्दों को स्वतंत्र रूप से पढ़ने को कहें।
सभी शब्दों के साथ यह गतिविधि करें।</td><td></td><td>वर्ण पहचान : ट, त, ग और 'ो' मात्रा की पहचान व लेखन गतिविधियाँ
अभ्यास पुस्तिका : पाठ 4</td><td>सहज–1 : शब्द पठन (पृष्ठ 4)

'पतंग और बकरी' (पाठ 9, पृष्ठ 22) कहानी का पठन</td></tr>
</table>

	अभ्यास पुस्तिका पर कार्य : पाठ 4 • ग्रिड से पहचान और लिखने का कार्य करवाएँ। • बच्चों को ब्लेंडिंग के लिए अक्षरों को जोड़कर शब्द के रूप में पढ़ने और लिखने को कहें। • अन्य लेखन व पठन कार्य करवाएँ।			
5	**वर्ण परिचय : 'स', 'ब'** **वर्ण पहचान की गतिविधि** • वर्ण स, ब को बोर्ड पर लिखें और उसका 4–5 बार उच्चारण करके बताएँ। • इस ध्वनि से बनने वाले शब्द बच्चों से पूछें। (या घेरा लगवाना/ढूँढकर बताना) **ब्लेंडिंग (वर्ण/अक्षर को जोड़कर शब्द बनाना) का कार्य करवाएँ:** बोर्ड पर बॉक्स बनाकर उसमें शब्द के वर्ण/अक्षरों को बोलते हुए लिखें: म | न | मन • अब इन अक्षरों को जोड़कर बोलते हुए एक साथ शब्द पढ़ें। बच्चों को पीछे–पीछे इसे बोलने को कहें। • कुछ बच्चों को इन शब्दों को स्वतंत्र रूप से पढ़ने को कहें। सभी शब्दों के साथ यह गतिविधि करें। **अभ्यास पुस्तिका पर कार्य : पाठ 5** • ग्रिड से पहचान और लेखन का कार्य करवाएँ • ब्लेंडिंग, शब्द पठन, चित्र पहचान और लेखन का कार्य करवाएँ		**वर्ण पहचान :** च, ख, ध, और 'ी' मात्रा की पहचान व लेखन गतिविधियाँ **अभ्यास पुस्तिका** : पाठ 5	**सहज–1 :** शब्द पठन (पृष्ठ 5) 'शेरू' (पाठ 8, पृष्ठ 20) कहानी का पठन
6	**आकलन और पुनरावृत्ति कार्य : पाठ 6** अभ्यास पुस्तिका के पृष्ठ 6 पर दिए गए आलकन प्रपत्र से बच्चों का आकलन करें और उसके नीचे दिए गए स्थान पर उनकी उपलब्धि नोट कर दें। फिर दो स्तर की गतिविधि करें: 1. जो बच्चे अभी भी 10 से कम अक्षरों को पहचान पाए हैं, उनके साथ वर्ण और अक्षर की गतिविधि करें: क, म, र, ल, स, ब, का, मा, रा, ला, सा, बा को बोर्ड पर लिखकर अभ्यास करवाएँ:	**आकलन और पुनरावृत्ति कार्य : पाठ 6** अभ्यास पुस्तिका के पृष्ठ 6 पर दिए गए आलकन प्रपत्र से बच्चों का आकलन करें और उसके नीचे दिए गए स्थान पर उनकी उपलब्धि नोट कर दें। स्तर–1 के लिए दिए गए दिशा–निर्देश के अनुसार ही यहाँ काम करें।		

	फिर बोर्ड पर random आर्डर में इन अक्षरों को लिखें और बच्चों से अभ्यास करवाएँ। फिर अंत में, सभी बच्चों को दो–दो बार लिखने को कहें। 2. जो बच्चे 9 से अधिक अक्षर पहचान पाएँ, उन्हें पाठ 6 पुनरावृत्ति गतिविधि से पढ़ने और लिखने को कहें।	

द्वितीय एवं तृतीय कालांश के लिए सप्ताहवार दैनिक शिक्षण योजना : सप्ताह–2

	स्तर 1 (कुल समय 80 मिनट)		स्तर 2 (कुल समय 80 मिनट)	
सामग्री	अभ्यास पुस्तिका स्तर 1, सहज–1		अभ्यास पुस्तिका स्तर 2, सहज–1	
दिवस	वर्ण परिचय – डिकोडिंग (द्वितीय कालांश 50–55 मिनट)	सहज (तृतीय कालांश 20–25 मिनट)	वर्ण / मात्रा / शब्द परिचय – डिकोडिंग (द्वितीय कालांश 50–55 मिनट)	सहज (तृतीय कालांश 20–25 मिनट)
1	**वर्ण परिचयः 'न', 'प'** (वर्ण परिचय की गतिविधि करवाने के लिए पहले सप्ताह में दिए गए चरणों का अनुसरण करें) **अभ्यास पुस्तिकाः** पाठ 7 पर कार्य	**सहज–1 :** • शब्द पठन (पृष्ठ 1, प्रथम 2 पंक्ति) • शेरू (पाठ 8, पृष्ठ 20) कहानी के चित्रों पर चर्चा	**वर्ण परिचयः ज, थ, झ,** और **'ं'** मात्रा की पहचान और लेखन गतिविधियाँ **अभ्यास पुस्तिकाः** पाठ 7 पर कार्य	**सहज–1 :** • शब्द पठन (पृष्ठ 6) • 'झूला' (पाठ–12 पृष्ठ 28) कहानी का पठन
2	**वर्ण परिचयः 'द', 'त'** (वर्ण परिचय की गतिविधि करवाने के लिए पहले सप्ताह में दिए गए चरणों का अनुसरण करें) **अभ्यास पुस्तिकाः** पाठ 8 पर कार्य	**सहज–1 :** • शब्द पठन (पृष्ठ 1, प्रथम 3 पंक्ति) • शेरू (पाठ–8 , पृष्ठ 20) कहानी बच्चों को सुनाना	**वर्ण परिचयः य, ह, आ** और **'उ' मात्रा** की पहचान और लेखन गतिविधियाँ **अभ्यास पुस्तिकाः** पाठ 8 पर कार्य	**सहज–1 :** • शब्द पठन (पृष्ठ 3 और 4) • वाक्यांश पठन (पृष्ठ 6) • 'झूला' (पाठ–12 पृष्ठ 28) कहानी का पठन
3	**मात्रा परिचयः 'ि'** (मात्रा परिचय की गतिविधि करवाने के लिए पहले सप्ताह में दिए गए चरणों का अनुसरण करें) **अभ्यास पुस्तिकाः** पाठ 9 पर कार्य	**सहज–1 :** • शब्द पठन (पृष्ठ 1, प्रथम 4 और 5 पंक्ति) • शेरू (पाठ–8, पृष्ठ 20) कहानी पढ़कर सुनाना और बच्चों से सुनना	**वर्ण / मात्रा परिचयः भ, ई, श,** और **ि** मात्रा की पहचान और लेखन गतिविधियाँ **अभ्यास पुस्तिकाः** पाठ 9 पर कार्य	**सहज–1 :** • शब्द पठन (पृष्ठ 4 और 5) • वाक्यांश पठन (पृष्ठ 6) • 'दो चींटियाँ' (पाठ–5, पृष्ठ 14) कहानी का पठन

4	**वर्ण परिचयः 'ट', 'ग'** (वर्ण परिचय की गतिविधि करवाने के लिए पहले सप्ताह में दिए गए चरणों का अनुसरण करें) **अभ्यास पुस्तिकाः** पाठ 10 पर कार्य	**सहज–1 :** • शब्द पठन (पृष्ठ 1, 6 और 7 पंक्ति) • भालू और मदारी (पाठ–7, पृष्ठ 18) कहानी के चित्रों पर चर्चा	**वर्ण परिचयः छ, व, ड** और ै मात्रा की पहचान और लेखन गतिविधियाँ **अभ्यास पुस्तिकाः** पाठ 10 पर कार्य	**सहज–1 :** • शब्द पठन (पृष्ठ 5) • वाक्यांश पठन (पृष्ठ 7) • 'दो चींटियाँ' (पाठ–5 पृष्ठ 14) कहानी का पठन
5	**वर्ण परिचयः 'थ', 'ज'** (वर्ण परिचय की गतिविधि करवाने के लिए पहले सप्ताह में दिए गए चरणों का अनुसरण करें) **अभ्यास पुस्तिकाः** पाठ 11 पर कार्य	**सहज–1 :** • शब्द पठन (पृष्ठ 1 और 2) • भालू और मदारी (पाठ–7, पृष्ठ 18) कहानी बच्चों को सुनाना	**वर्ण परिचयः फ, घ, ड** और ै मात्रा की पहचान और लेखन गतिविधियाँ **अभ्यास पुस्तिकाः** पाठ 11 पर कार्य	**सहज–1 :** • वाक्यांश पठन (पृष्ठ 6 और 7) • 'रीता की गुड़िया' (पाठ–10 पृष्ठ 24) कहानी का पठन
6	**आकलन और पुनरावृत्ति कार्य : पाठ 12** अभ्यास पुस्तिका के पृष्ठ 12 पर दिए गए आलकन प्रपत्र से बच्चों का आकलन करें और उसके नीचे दिए गए स्थान पर उनकी उपलब्धि नोट कर दें। फिर दो स्तर की गतिविधि करें: 1. जो बच्चे अभी भी 15 से कम अक्षरों को पहचान पाए हैं, उनके साथ वर्ण और अक्षर की गतिविधि करें: वर्ण/अक्षर को बोर्ड पर लिखकर अभ्यास करवाएँ: फिर बोर्ड पर random आर्डर में इन अक्षरों को लिखें और बच्चों से अभ्यास करवाएँ। फिर अंत में, सभी बच्चों को दो–दो बार लिखने को कहें। 2. जो बच्चे 16 से अधिक अक्षर पहचान पाएँ, उन्हें पाठ 12 पुनरावृत्ति गतिविधि से पढ़ने और लिखने को कहें।		**आकलन और पुनरावृत्ति कार्य : पाठ 12** अभ्यास पुस्तिका के पृष्ठ 12 पर दिए गए आलकन प्रपत्र से बच्चों का आकलन करें और उसके नीचे दिए गए स्थान पर उनकी उपलब्धि नोट कर दें। स्तर–1 के लिए दिए गए दिशा–निर्देश के अनुसार ही यहाँ काम करें।	

द्वितीय एवं तृतीय कालांश के लिए सप्ताहवार दैनिक शिक्षण योजना : सप्ताह–3

	स्तर 1 (कुल समय 80 मिनट)		स्तर 2 (कुल समय 80 मिनट)	
सामग्री	अभ्यास पुस्तिका स्तर 1, सहज–1		अभ्यास पुस्तिका स्तर 2, सहज–1	
दिवस	वर्ण परिचय – डिकोडिंग (द्वितीय कालांश 50–55 मिनट)	सहज (तृतीय कालांश 20–25 मिनट)	वर्ण / मात्रा / शब्द परिचय – डिकोडिंग (द्वितीय कालांश 50–55 मिनट)	सहज (तृतीय कालांश 20–25 मिनट)
1	**वर्ण परिचयः 'च', 'ख'** (पूर्व में बताए गए चरणों का अनुसरण करें) **अभ्यास पुस्तिकाः** पाठ 13 पर कार्य	**सहज–1 :** • शब्द पठन (पृष्ठ 2, प्रथम 2–3 पंक्ति) • 'दो चींटियाँ' (पाठ 8, पृष्ठ 20) कहानी के चित्रों पर चर्चा	**वर्ण परिचयः ठ, उ. ऊ** और **' ू '** **मात्रा** की पहचान और लेखन गतिविधियाँ **अभ्यास पुस्तिकाः** पाठ 13 पर कार्य	**सहज–1 :** • वाक्यांश पठन (पृष्ठ 7) • 'भालू और मदारी' (पाठ–7 पृष्ठ 18) कहानी का पठन
2	**वर्ण परिचयः 'ध', 'ज'** (पूर्व में बताए गए चरणों का अनुसरण करें) **अभ्यास पुस्तिकाः** पाठ 14 पर कार्य	**सहज–1 :** • शब्द पठन (पृष्ठ 2, 4–5 पंक्ति) • दो चींटियाँ (पाठ–5, पृष्ठ 14) कहानी बच्चों को सुनाना	**वर्ण परिचयः ढ, ए, अ, ष** वर्ण की पहचान और लेखन गतिविधियाँ **अभ्यास पुस्तिकाः** पाठ 14 पर कार्य	**सहज–1 :** • वाक्य पठन (पृष्ठ 7) • 'भालू और मदारी' (पाठ–7 पृष्ठ 18) कहानी का पठन
3	**मात्रा परिचयः 'ि'** (पूर्व में बताए गए चरणों का अनुसरण करें) पाठ 15 पर कार्य	**सहज–1 :** • शब्द पठन (पृष्ठ 2, प्रथम 6 और 7 पंक्ति) • 'दो चींटियाँ' (पाठ–5, पृष्ठ 14) कहानी पढ़कर सुनाना और बच्चों से सुनना	**वर्ण / मात्रा परिचयः ज्ञ, त्र, ऐ, ओ** वर्ण की पहचान और लेखन गतिविधियाँ **अभ्यास पुस्तिकाः** पाठ 15 पर कार्य	**सहज–1 :** • वाक्य पठन (पृष्ठ 7) • 'मेंढक का गाना' (पाठ–6, पृष्ठ 16) कहानी का पठन
4	**वर्ण परिचयः य, आ** (पूर्व में बताए गए चरणों का अनुसरण करें)	**सहज–1 :** • शब्द पठन (पृष्ठ 2)	**वर्ण परिचयः अं, ढ़, ड़** और **औ** वर्ण की पहचान और लेखन गतिविधियाँ	**सहज–1 :** • वाक्य पठन (पृष्ठ 7)

	अभ्यास पुस्तिकाः पाठ 16 पर कार्य	• मेंढक का गाना (पाठ–6, पृष्ठ 16) कहानी के चित्रों पर चर्चा	**अभ्यास पुस्तिकाः** पाठ 16 पर कार्य	• 'मेंढक का गाना' (पाठ–6, पृष्ठ 16) कहानी का पठन
5	**वर्ण परिचयः 'ह', 'भ'** (पूर्व में बताए गए चरणों का अनुसरण करें) **अभ्यास पुस्तिकाः** पाठ 17 पर कार्य	**सहज–1 :** • शब्द पठन (पृष्ठ 3) • मेंढक का गाना (पाठ–6, पृष्ठ 16) कहानी बच्चों को सुनाना	**वर्ण परिचयः ऋ, अः, ण, क्ष** वर्ण की पहचान और लेखन गतिविधियाँ **अभ्यास पुस्तिकाः** पाठ 16 पर कार्य	**सहज–1 :** • वाक्य पठन (पृष्ठ 8) • 'ऊंट पर सांप' (पाठ–13, पृष्ठ 8) कहानी का पठन
6	**आकलन और पुनरावृत्ति कार्य : पाठ 18** अभ्यास पुस्तिका के पृष्ठ 18 पर दिए गए आलकन प्रपत्र से बच्चों का आकलन करें और पुनरावृत्ति की गतिविधि करें। शब्द पठन में 5 से कम सही शब्द पढ़ने वाले बच्चों को शब्द पठन का अभ्यास करवाएँ।		**आकलन और पुनरावृत्ति कार्य : पाठ 18** अभ्यास पुस्तिका के पृष्ठ 18 पर दिए गए आलकन प्रपत्र से बच्चों का आकलन करें और पुनरावृत्ति की गतिविधि करें। शब्द पठन में 5 से कम सही शब्द पढ़ने वाले बच्चों को शब्द पठन का अभ्यास करवाएँ। वर्ण/अक्षर की भी पुनरावृत्ति करें।	

द्वितीय एवं तृतीय कालांश के लिए सप्ताहवार दैनिक शिक्षण योजना : सप्ताह–4

	स्तर 1 (कुल समय 80 मिनट)		स्तर 2 (कुल समय 80 मिनट)	
सामग्री	**अभ्यास पुस्तिका स्तर 1, सहज–1**		**अभ्यास पुस्तिका स्तर 2, सहज–1**	
दिवस	**वर्ण परिचय – डिकोडिंग (द्वितीय कालांश 50–55 मिनट)**	**सहज (तृतीय कालांश 20–25 मिनट)**	**वर्ण/मात्रा/शब्द परिचय – डिकोडिंग (द्वितीय कालांश 50–55 मिनट)**	**सहज (तृतीय कालांश 20–25 मिनट)**
1	**वर्ण परिचयः ई, श** (पूर्व में बताए गए चरणों का अनुसरण करें) **अभ्यास पुस्तिकाः** पाठ 19 पर कार्य	**सहज–1 :** • शब्द पठन (पृष्ठ 3, प्रथम 3–4 पंक्ति) • भालू की चालाकी (पाठ 4, पृष्ठ 12) कहानी के चित्रों पर चर्चा	**अनुस्वर (ं)** वर्ण / अक्षर पहचान और लेखन गतिविधियाँ **अभ्यास पुस्तिकाः** पाठ 19 पर कार्य	**सहज–1 :** • वाक्य पठन (पृष्ठ 8) • 'हाथी आया गाँव में' (पाठ–14 पृष्ठ–32) कहानी का पठन

2	**मात्रा परिचयः 'ु'** (पूर्व में बताए गए चरणों का अनुसरण करें) **अभ्यास पुस्तिकाः** पाठ 20 पर कार्य	**सहज–1 :** • शब्द पठन (पृष्ठ– 3, 4–5 पंक्ति) • भालू की चालाकी (पाठ 4, पृष्ठ 12) कहानी के चित्रों पर चर्चा	**शब्दों पर कार्यः** शब्द पठन और डिकोडिंग का अभ्यास की गतिविधियाँ **अभ्यास पुस्तिकाः** पाठ 20 पर कार्य	**सहज–1 :** • वाक्य पठन (पृष्ठ 8) • 'हाथी आया गाँव में' (अतिरिक्त पाठ, पृष्ठ 32 कहानी का पठन
3	**मात्रा परिचयः छ, व** (पूर्व में बताए गए चरणों का अनुसरण करें) **अभ्यास पुस्तिकाः** पाठ 21 पर कार्य	**सहज–1 :** • शब्द पठन (पृष्ठ– 3, 6–8 पंक्ति) • भालू की चालाकी (पाठ 4, पृष्ठ 12) कहानी पढ़कर सुनाना और बच्चों से सुनना	**वर्ण / मात्रा परिचयः चन्द्रबिंदु (ँ)** वर्ण / अक्षर पहचान और लेखन की गतिविधियाँ **अभ्यास पुस्तिकाः** पाठ 21 पर कार्य	**सहज–1 :** • वाक्य पठन (पृष्ठ 8) • 'राम सहाय की साइकिल' (अतिरिक्त पाठ, पृष्ठ 34) कहानी का पठन
4	**वर्ण परिचयः ड, फ** (पूर्व में बताए गए चरणों का अनुसरण करें) **अभ्यास पुस्तिकाः** पाठ 22 पर कार्य	**सहज–1 :** • शब्द पठन (3 और 4) • 'रीता की गुड़िया' पाठ–10, पृष्ठ 24) कहानी के चित्रों पर चर्चा	**वर्ण परिचयः ढ़, ड़** वर्ण की पहचान और लेखन गतिविधियाँ **अभ्यास पुस्तिकाः** पाठ 22 पर कार्य	**सहज–1 :** • वाक्य पठन (पृष्ठ 8) • 'राम सहाय की साइकिल' (अतिरिक्त पाठ, पृष्ठ 34) कहानी का पठन
5	**वर्ण परिचयः 'ू'** (पूर्व में बताए गए चरणों का अनुसरण करें) **अभ्यास पुस्तिकाः** पाठ 23 पर कार्य	**सहज–1 :** • शब्द पठन (पृष्ठ 4) • 'रीता की गुड़िया' (पाठ–10, पृष्ठ 24) कहानी बच्चों को सुनाना	**वर्ण परिचयः** शब्द पठन और डिकोडिंग का अभ्यास की गतिविधियाँ **अभ्यास पुस्तिकाः** पाठ 23 पर कार्य	**सहज–1 :** • वाक्य पठन (पृष्ठ 8) • 'चूहा और हाथी' (अतिरिक्त पाठ, पृष्ठ 36) कहानी का पठन

6	**आकलन और पुनरावृत्ति कार्य : पाठ 24** अभ्यास पुस्तिका के पृष्ठ 24 पर दिए गए आलकन प्रपत्र से बच्चों का पूर्व की तरह वर्ण/अक्षर का आकलन करें और पुनरावृत्ति की गतिविधि करें। शब्द पठन में 5 से कम सही शब्द पढ़ने वाले बच्चों को शब्द पठन का अभ्यास करवाएँ।	**आकलन और पुनरावृत्ति कार्य : पाठ 24** अभ्यास पुस्तिका के पृष्ठ 24 पर दिए गए आलकन प्रपत्र से बच्चों का आकलन करें। जो बच्चे शब्द पठन में 10 से कम सही शब्द पढ़ पाए, उनको शब्द पठन का अभ्यास करवाएँ। वर्ण/अक्षर की भी पुनरावृत्ति करें।

द्वितीय एवं तृतीय कालांश के लिए सप्ताहवार दैनिक शिक्षण योजना : सप्ताह–5

	स्तर 1 (कुल समय 80 मिनट)		स्तर 2 (कुल समय 80 मिनट)	
सामग्री	**अभ्यास पुस्तिका स्तर 1, सहज–1**		**अभ्यास पुस्तिका स्तर 2, सहज–1**	
दिवस	**वर्ण परिचय – डिकोडिंग (द्वितीय कालांश 50–55 मिनट)**	**सहज (तृतीय कालांश 20–25 मिनट)**	**वर्ण/मात्रा/शब्द परिचय – डिकोडिंग (द्वितीय कालांश 50–55 मिनट)**	**सहज (तृतीय कालांश 20–25 मिनट)**
1	**वर्ण परिचयः ऊ, घ** (पूर्व में बताए गए चरणों का अनुसरण करें) **अभ्यास पुस्तिकाः** पाठ 25 पर कार्य	**सहज–1 :** • शब्द पठन (पृष्ठ 4) • चूहा और हाथी (अतिरिक्त पाठ, पृष्ठ 36) कहानी के चित्रों पर चर्चा	**शब्दों पर कार्य :** शब्द पठन और डिकोडिंग का अभ्यास की गतिविधियाँ **अभ्यास पुस्तिकाः** पाठ 25 पर कार्य	**सहज–1 :** • वाक्य पठन (पृष्ठ 8) • 'रेलगाड़ी' (पाठ–1 पृष्ठ–9) पाठ का पठन
2	**वर्ण परिचयः ई, औ** (पूर्व में बताए गए चरणों का अनुसरण करें) **अभ्यास पुस्तिकाः** पाठ 26 पर कार्य	**सहज–1 :** • शब्द पठन (पृष्ठ– 4) • चूहा और हाथी (अतिरिक्त पाठ, पृष्ठ 36) कहानी बच्चों को सुनाना	**शब्दों पर कार्यः** शब्द पठन और डिकोडिंग का अभ्यास की गतिविधियाँ **अभ्यास पुस्तिकाः** पाठ 26 पर कार्य	**सहज–1 :** • वाक्य पठन (पृष्ठ 8) • 'रेलगाड़ी' (पाठ–1 पृष्ठ–9) पाठ का पठन

3	**मात्रा परिचयः ो** (पूर्व में बताए गए चरणों का अनुसरण करें) **अभ्यास पुस्तिकाः** पाठ 27 पर कार्य	**सहज–1 :** • शब्द पठन (पृष्ठ– 4) • चूहा और हाथी (अतिरिक्त पाठ, पृष्ठ 36) कहानी पढ़कर सुनाना और बच्चों से सुनना	**शब्दों पर कार्य** : शब्द पठन और डिकोडिंग का अभ्यास की गतिविधियाँ **अभ्यास पुस्तिकाः** पाठ 27 पर कार्य	**सहज–1 :** • 'जलेबी' (पाठ–2 पृष्ठ–10) छात्रों द्वारा पठन
4	**वर्ण परिचयः ठ, ण** (पूर्व में बताए गए चरणों का अनुसरण करें) **अभ्यास पुस्तिकाः** पाठ 28 पर कार्य	**सहज–1 :** • शब्द पठन (पृष्ठ 4) • 'बड़ा गुब्बारा' (पाठ–11, पृष्ठ 26) कहानी के चित्रों पर चर्चा	**शब्दों पर कार्य** : शब्द पठन और डिकोडिंग का अभ्यास की गतिविधियाँ **अभ्यास पुस्तिकाः** पाठ 28 पर कार्य	**सहज–1 :** • 'जलेबी' (पाठ–2 पृष्ठ–10) छात्रों द्वारा पठन
5	**मात्रा परिचयः 'ॅ'** (पूर्व में बताए गए चरणों का अनुसरण करें) **अभ्यास पुस्तिकाः** पाठ 29 पर कार्य	**सहज–1 :** • शब्द पठन (पृष्ठ 5) • 'बड़ा गुब्बारा' (पबाठ–11, पृष्ठ 26) कहानी बच्चों को सुनाना	**शब्दों पर कार्य** : शब्द पठन और डिकोडिंग का अभ्यास की गतिविधियाँ **अभ्यास पुस्तिकाः** पाठ 28 पर कार्य	**सहज–1 :** • वाक्य पठन (पृष्ठ 8) • 'तितली' (पाठ–3 पृष्ठ–11) छात्रों द्वारा पठन
6	**आकलन और पुनरावृत्ति कार्य : पाठ 30** अभ्यास पुस्तिका के पृष्ठ 30 पर दिए गए आलकन प्रपत्र से बच्चों का पूर्व की तरह वर्ण/अक्षर का आकलन करें और पुनरावृत्ति की गतिविधि करें। शब्द पठन में 5 से कम सही शब्द पढ़ने वाले बच्चों को शब्द पठन का अभ्यास करवाएँ।		**आकलन और पुनरावृत्ति कार्य : पाठ 30** अभ्यास पुस्तिका के पृष्ठ 30 पर दिए गए आलकन प्रपत्र से बच्चों का आकलन करें। जो बच्चे शब्द पठन में 10 से कम सही शब्द पढ़ पाए, उनको शब्द पठन का अभ्यास करवाएँ। वर्ण/अक्षर की भी पुनरावृत्ति करें।	

द्वितीय एवं तृतीय कालांश के लिए सप्ताहवार दैनिक शिक्षण योजना : सप्ताह–6

	स्तर 1 (कुल समय 80 मिनट)		स्तर 2 (कुल समय 80 मिनट)	
सामग्री	अभ्यास पुस्तिका स्तर 1, सहज–1		अभ्यास पुस्तिका स्तर 2, सहज–2	
दिवस	वर्ण परिचय – डिकोडिंग (द्वितीय कालांश 50–55 मिनट)	सहज (तृतीय कालांश 20–25 मिनट)	वर्ण / मात्रा / शब्द परिचय – डिकोडिंग (द्वितीय कालांश 50–55 मिनट)	सहज (तृतीय कालांश 20–25 मिनट)
1	**वर्ण परिचयः उ, ए** (पूर्व में बताए गए चरणों का अनुसरण करें) **अभ्यास पुस्तिकाः** पाठ 31 पर कार्य	**सहज–1 :** • शब्द पठन (पृष्ठ 5) • 'रेलगाड़ी' (पाठ–1, पृष्ठ–9) कहानी के चित्र पर चर्चा	**शब्दों पर कार्य :** शब्द पठन और डिकोडिंग का अभ्यास की गतिविधियाँ **अभ्यास पुस्तिकाः** पाठ 31 पर कार्य	**सहज–2 :** • 'साइकिल' (पाठ–1 पृष्ठ–2) छात्रों द्वारा पाठ का पठन
2	**मात्रा परिचयः ै** (पूर्व में बताए गए चरणों का अनुसरण करें) **अभ्यास पुस्तिकाः** पाठ 32 पर कार्य	**सहज–1 :** • शब्द पठन (पृष्ठ–5) • 'रेलगाड़ी' (पाठ–1, पृष्ठ–9) कहानी बच्चों को सुनाना	**शब्दों पर कार्यः** शब्द पठान और डिकोडिंग का अभ्यास की गतिविधियाँ **अभ्यास पुस्तिकाः** पाठ 32 पर कार्य	**सहज–2 :** • 'साइकिल' (पाठ–1 पृष्ठ–2) छात्रों द्वारा पाठ का पठन।
3	**वर्ण परिचयः अ , ष** (पूर्व में बताए गए चरणों का अनुसरण करें) **अभ्यास पुस्तिकाः** पाठ 33 पर कार्य	**सहज–1 :** • शब्द पठन (पृष्ठ– 5) • 'रेलगाड़ी' (पाठ–1, पृष्ठ–9) कहानी बच्चों को सुनाना	**शब्दों पर कार्य :** शब्द पठन और डिकोडिंग का अभ्यास की गतिविधियाँ **अभ्यास पुस्तिकाः** पाठ 33 पर कार्य	**सहज–2 :** • 'कौए की भूख' (पाठ–2 पृष्ठ–4) छात्रों द्वारा पाठ का पठन

4	**वर्ण परिचयः 'ओ, ऐ'** (पूर्व में बताए गए चरणों का अनुसरण करें) **अभ्यास पुस्तिकाः** पाठ 33 पर कार्य	**सहज–1 :** • शब्द पठन (पृष्ठ 5) • 'ऊँट और साँप' (पाठ–13, पृष्ठ–30) कहानी के चित्र पर चर्चा	**शब्दों पर कार्य :** शब्द पठन और डिकोडिंग का अभ्यास की गतिविधियाँ **अभ्यास पुस्तिकाः** पाठ 34 पर कार्य	**सहज–2 :** • 'कौए की भूख' (पाठ–2 पृष्ठ–4) छात्रों द्वारा पाठ का पठन
5	**मात्रा परिचयः 'ौ'** (पूर्व में बताए गए चरणों का अनुसरण करें) **अभ्यास पुस्तिकाः** पाठ 35 पर कार्य	**सहज–1 :** • शब्द पठन (पृष्ठ 6) • 'ऊँट और साँप' (पाठ–13, पृष्ठ–30) कहानी बच्चों को सुनाना	**शब्दों पर कार्य :** शब्द पठन और डिकोडिंग का अभ्यास की गतिविधियाँ **अभ्यास पुस्तिकाः** पाठ 35 पर कार्य	**सहज–2 :** • 'माही और सुरेश' (पाठ–3 पृष्ठ–6) छात्रों द्वारा पाठ का पठन।
6	**आकलन और पुनरावृत्ति कार्य : पाठ 36** अभ्यास पुस्तिका के पृष्ठ 36 पर दिए गए आलकन प्रपत्र से बच्चों का पूर्व की तरह वर्ण/अक्षर का आकलन करें और पुनरावृत्ति की गतिविधि करें। शब्द पठन में 5 से कम सही शब्द पढ़ने वाले बच्चों को शब्द पठन का अभ्यास करवाएँ।		**आकलन और पुनरावृत्ति कार्य : पाठ 36** अभ्यास पुस्तिका के पृष्ठ 36 पर दिए गए आलकन प्रपत्र से बच्चों का आकलन करें। जो बच्चे शब्द पठन में 10 से कम सही शब्द पढ़ पाए, उनको शब्द पठन का अभ्यास करवाएँ। वर्ण/अक्षर की भी पुनरावृत्ति करें।	

द्वितीय एवं तृतीय कालांश के लिए सप्ताहवार दैनिक शिक्षण योजना : सप्ताह–7

	स्तर 1 (कुल समय 80 मिनट)		**स्तर 2 (कुल समय 80 मिनट)**	
सामग्री	**अभ्यास पुस्तिका स्तर 1, सहज–1**		**अभ्यास पुस्तिका स्तर 2, सहज–2**	
दिवस	**वर्ण परिचय – डिकोडिंग (द्वितीय कालांश 50–55 मिनट)**	**सहज (तृतीय कालांश 20–25 मिनट)**	**वर्ण/मात्रा/शब्द परिचय – डिकोडिंग (द्वितीय कालांश 50–55 मिनट)**	**सहज (तृतीय कालांश 20–25 मिनट)**
1	**वर्ण परिचयः ढ, अं** (पूर्व में बताए गए चरणों का अनुसरण करें)	**सहज–1 :** • शब्द पठन (पृष्ठ 6)	**वाक्य स्तर पर कार्य :** वाक्य पठन और लेखन के अभ्यास की गतिविधियाँ	**सहज–2 :** • 'बन्दर का चश्मा' (पाठ–4 पृष्ठ–2) छात्रों द्वारा पाठ का पठन

	अभ्यास पुस्तिकाः पाठ 37 पर कार्य	• 'जलेबी' (पाठ–2, पृष्ठ–10) कहानी के चित्र पर चर्चा	**अभ्यास पुस्तिकाः** पाठ 37 पर कार्य	
2	**वर्ण परिचयः ढ़, अः** (पूर्व में बताए गए चरणों का अनुसरण करें) **अभ्यास पुस्तिकाः** पाठ 38 पर कार्य	**सहज–1 :** • शब्द पठन (पृष्ठ–6) • 'जलेबी' (पाठ–2, पृष्ठ–10) कहानी बच्चों को सुनाना	**वाक्य स्तर पर कार्य** : वाक्य पठन और लेखन के अभ्यास की गतिविधियाँ **अभ्यास पुस्तिकाः** पाठ 38 पर कार्य	**सहज–2 :** • 'बन्दर का चश्मा' (पाठ–4 पृष्ठ–2) छात्रों द्वारा पाठ का पठन
3	**वर्ण परिचयः ड़, ऋ** (पूर्व में बताए गए चरणों का अनुसरण करें) **अभ्यास पुस्तिकाः** पाठ 39 पर कार्य	**सहज–1 :** • शब्द पठन (पृष्ठ– 6) • 'जलेबी' (पाठ–2, पृष्ठ–10) कहानी बच्चों को सुनाना	**वाक्य स्तर पर कार्य** : वाक्य पठन और लेखन के अभ्यास की गतिविधियाँ **अभ्यास पुस्तिकाः** पाठ 39 पर कार्य	**सहज–2 :** • 'मेंढक और चिड़िया' (पाठ–5 पृष्ठ–10) छात्रों द्वारा पाठ का पठन
4	**वर्ण परिचयः क्ष, ज्ञ** (पूर्व में बताए गए चरणों का अनुसरण करें) **अभ्यास पुस्तिकाः** पाठ 40 पर कार्य	**सहज–1 :** • शब्द पठन (पृष्ठ 6) • 'ऊँट और साँप' (पाठ–12, पृष्ठ–28) कहानी के चित्र पर चर्चा	**वाक्य स्तर पर कार्य** : वाक्य पठन और लेखन के अभ्यास की गतिविधियाँ **अभ्यास पुस्तिकाः** पाठ 40 पर कार्य	**सहज–2 :** • 'मेंढक और चिड़िया' (पाठ–5 पृष्ठ–10) छात्रों द्वारा पाठ का पठन
5	**वर्ण परिचयः त्र** (पूर्व में बताए गए चरणों का अनुसरण करें) **अभ्यास पुस्तिकाः** पाठ 41 पर कार्य	**सहज–1 :** • शब्द पठन (पृष्ठ 7) • 'झूला' (पाठ–12, पृष्ठ–28) कहानी बच्चों को सुनाना	**वाक्य स्तर पर कार्य** : वाक्य पठन और लेखन के अभ्यास की गतिविधियाँ **अभ्यास पुस्तिकाः** पाठ 41 पर कार्य	**सहज–2 :** • 'मोनू बछड़ा' (पाठ–6 पृष्ठ–12) छात्रों द्वारा पाठ का पठन

6	**आकलन और पुनरावृत्ति कार्य : पाठ 42** अभ्यास पुस्तिका के पृष्ठ 42 पर दिए गए आलकन प्रपत्र से बच्चों का पूर्व की तरह वर्ण/अक्षर का आकलन करें और पुनरावृत्ति की गतिविधि करें। शब्द पठन में 5 से कम सही शब्द पढ़ने वाले बच्चों को शब्द पठन का अभ्यास करवाएँ।	**आकलन और पुनरावृत्ति कार्य : पाठ 42** अभ्यास पुस्तिका के पृष्ठ 42 पर दिए गए आलकन प्रपत्र से बच्चों का आकलन करें। जो बच्चे पाठ पढ़ने में सिर्फ 15 या इससे कम सही शब्द पढ़ पाए, उनके साथ शब्द पठन और छोटे–छोटे वाक्यों के पठन का अभ्यास करवाएँ। वर्ण/अक्षर की भी पुनरावृत्ति करें।

द्वितीय एवं तृतीय कालांश के लिए सप्ताहवार दैनिक शिक्षण योजना : सप्ताह–8

	स्तर 1 (कुल समय 80 मिनट)		स्तर 2 (कुल समय 80 मिनट)	
सामग्री	**अभ्यास पुस्तिका स्तर 1, सहज–1**		**अभ्यास पुस्तिका स्तर 2, सहज–2**	
दिवस	**वर्ण परिचय – डिकोडिंग (द्वितीय कालांश 50–55 मिनट)**	**सहज (तृतीय कालांश 20–25 मिनट)**	**वर्ण/मात्रा/शब्द परिचय – डिकोडिंग (द्वितीय कालांश 50–55 मिनट)**	**सहज (तृतीय कालांश 20–25 मिनट)**
1	**शब्द स्तर पर कार्य** : शब्द अभ्यास की गतिविधियाँ **अभ्यास पुस्तिका:** पाठ 43 पर कार्य	**सहज–1 :** • शब्द पठन (पृष्ठ 7) • 'तितली' (पाठ–3, पृष्ठ–11) कहानी के चित्र पर चर्चा	**वाक्य स्तर पर कार्य** : वाक्य पठन और लेखन के अभ्यास की गतिविधियाँ **अभ्यास पुस्तिका:** पाठ 43 पर कार्य	**सहज–2 :** • 'चीकू और मीकू' (पाठ–7 पृष्ठ–14) छात्रों द्वारा पाठ का पठन
2	**शब्द स्तर पर कार्य** : शब्द अभ्यास की गतिविधियाँ **अभ्यास पुस्तिका:** पाठ 44 पर कार्य	**सहज–1 :** • शब्द पठन (पृष्ठ–8) • 'हाथी आया गाँव में' (अतिरिक्त पाठ, पृष्ठ– 32) कहानी बच्चों को सुनाना	**वाक्य स्तर पर कार्य** : वाक्य पठन और लेखन के अभ्यास की गतिविधियाँ **अभ्यास पुस्तिका:** पाठ 44 पर कार्य	**सहज–2 :** • 'चीकू और मीकू' (पाठ–7 पृष्ठ–14) छात्रों द्वारा पाठ का पठन

3	**शब्द स्तर पर कार्य** : शब्द अभ्यास की गतिविधियाँ **अभ्यास पुस्तिकाः** पाठ 45 पर कार्य	**सहज–1 :** • शब्द पठन (पृष्ठ– 8) • 'हाथी आया गाँव में' (अतिरिक्त पाठ, पृष्ठ– 32) कहानी बच्चों को सुनाना	**वाक्य स्तर पर कार्य** : वाक्य पठन और लेखन के अभ्यास की गतिविधियाँ **अभ्यास पुस्तिकाः** पाठ 45 पर कार्य	**सहज–2 :** • 'जादुई बीज' (पाठ–8 पृष्ठ–16) छात्रों द्वारा पाठ का पठन
4	**शब्द स्तर पर कार्य** : शब्द अभ्यास की गतिविधियाँ **अभ्यास पुस्तिकाः** पाठ 46 पर कार्य	**सहज–1 :** • शब्द पठन (पृष्ठ 7) • 'हाथी आया गाँव में' (अतिरिक्त पाठ, पृष्ठ– 32) कहानी बच्चों से सुनना	**वाक्य स्तर पर कार्य** : वाक्य पठन और लेखन के अभ्यास की गतिविधियाँ **अभ्यास पुस्तिकाः** पाठ 46 पर कार्य	**सहज–2 :** • 'जादुई बीज' (पाठ–8 पृष्ठ–16) छात्रों द्वारा पाठ का पठन
5	**शब्द स्तर पर कार्य** : शब्द अभ्यास की गतिविधियाँ **अभ्यास पुस्तिकाः** पाठ 47 पर कार्य	**सहज–1 :** • शब्द पठन (पृष्ठ 7 और 8) • 'राम सहाय की साइकिल' (अतिरिक्त पाठ, पृष्ठ– 34) कहानी बच्चों को सुनाना	**वाक्य स्तर पर कार्य** : वाक्य पठन और लेखन के अभ्यास की गतिविधियाँ **अभ्यास पुस्तिकाः** पाठ 47 पर कार्य	**सहज–2 :** • 'बरसात का मौसम' (पाठ–9 पृष्ठ–18) छात्रों द्वारा पाठ का पठन
6	**आकलन और पुनरावृत्ति कार्य : पाठ 48** अभ्यास पुस्तिका के पृष्ठ 48 पर दिए गए आलकन प्रपत्र से बच्चों का पूर्व की तरह वर्ण/अक्षर का आकलन करें और पुनरावृत्ति की गतिविधि करें। शब्द पठन में 10 से कम सही शब्द पढ़ने वाले बच्चों को शब्द पठन का अभ्यास करवाएँ।		**आकलन और पुनरावृत्ति कार्य : पाठ 48** अभ्यास पुस्तिका के पृष्ठ 48 पर दिए गए आलकन प्रपत्र से बच्चों का आकलन करें। जो बच्चे पाठ पढ़ने में सिर्फ 15 या इससे कम सही शब्द पढ़ पाए, उनके साथ शब्द पठन और छोटे–छोटे वाक्यों के पठन का अभ्यास करवाएँ।	

12. द्वितीय एवं तृतीय कालांश में सहज पर कार्य : स्तर–1 एवं 2 के बच्चों के साथ

सहज–1 के शब्दों पर कार्य (पृष्ठ 1 से 5 तक)

- सहज में दिए गए शब्दों को शिक्षक एक बार पढ़ें एवं बच्चे उँगली रखकर अनुकरण वाचन करें।
- 4–5 शब्दों को बोर्ड पर लिखे और इन्हें दो बार पढ़कर दिखाएँ। शब्दों को बिना तोड़े हुए पढ़े। जैसे – ऊँट इसे तोड़कर (ऊँ ट) की तरह न पढ़े।
- फिर इन्हें बच्चों को पढ़ने के लिए कहें। आप बच्चों को ज़रूरत के अनुसार मदद करें।

सहज–1 के वाक्यांशों/वाक्य पर कार्य (पृष्ठ 6 से 8 तक)

- सहज–1 में दिए गए वाक्यांशों/वाक्यों को शिक्षक एक बार पढ़ें एवं बच्चे द्वारा उँगली रखकर अनुकरण वाचन करें।
- शिक्षक 2–3 वाक्यांशों/वाक्य को बोर्ड पर लिखें। फिर इन्हें दो बार पढ़कर दिखाएँ।
- बच्चों को वाक्यांशों/वाक्य को पढ़ने के लिए कहें। आप बच्चों की आवश्यकतानुसार मदद करें।

सहज–1 के चित्रकथा एवं छोटी कहानी पर मौखिक कार्य

- कहानी के पात्रों आदि पर शिक्षक बच्चों से चर्चा करें।
- कहानी को शिक्षक पढ़कर सुनाएँ एवं छात्रों द्वारा उँगली रखते हुए अनुकरण वाचन करवाएँ।
- स्तर 1 पर बच्चे चित्र पठन के साथ कहानी समझ पाएँ, एक दो शब्दो को पढ़ पाएँ यही अपेक्षा है परन्तु स्तर 2 के बच्चों से अपेक्षा है कि वह पूरा पाठ पढ़ पाएँ।
- चित्र और कहानी पर थोड़ी चर्चा करें।
- पढ़ने के बाद कहानी को कुछ बच्चे अपने शब्दों में सुनाएँ।

सहज–1 और 2 के पाठ पर पठन कार्य

- बच्चों को एक बार पाठ पढ़कर सुनाएँ।
- बच्चों को 4–5 के समूह में बाँटकर पाठ पढ़ने को कहें। हर समूह के सदस्य एक दूसरे को पाठ पढ़कर सुनाए।
- शिक्षक समूह में पठन कार्य का अवलोकन करें।
- जिन बच्चों को पढ़ने में दिक्कत आ रही है, उस समूह में जाकर शिक्षक बच्चों की मदद करें।
- पठन कार्य के बाद पाठ पर प्रश्नों की मदद से चर्चा करें।
- एक पाठ पर 2–3 दिन कार्य करें।

N2I9B8

13. एंडलाइन आकलन

यह आकलन 8 सप्ताह के कोर्स के समापन के बाद किया जाएगा।

स्तर–1 के बच्चों के साथ बेसलाइन वाला प्रपत्र ही एंडलाइन आकलन के लिए इस्तेमाल किया जाएगा। इसके लिए शिक्षक बेसलाइन के आलकन के चरणों का ही अनुसण करें। एंडलाइन आकलन के लिए अंतिम पृष्ठ पर स्कोर प्रपत्र दिया गया है। उसमें बच्चों की उपलब्धि के स्तर को दर्ज करें।

स्तर–2 के बच्चों के साथ शब्द स्तर और वाक्य स्तर दोनों प्रकार का एंडलाइन आकलन किया जाएगा। पहले शब्द पठन का आकलन बेसलाइन की प्रक्रिया अपनाते हुए करें।

वाक्य स्तर के आकलन के लिए निम्न प्रक्रिया का अनुसरण करें:

- सबसे पहले बच्चों के नामों को उसी क्रम में लिख कर रख लें जैसा आपने बेसलाइन में रखा था। अगर आपने 'सुमन' को पाँचवें क्रम पर आकलन किया है तो एंडलाइन में भी उसी क्रम पर उसका नाम लिखें।
- वाक्य पठन कार्ड देकर वाक्यों को बच्चे को पढ़ने को कहें। वाक्य कार्ड के बॉक्स में दिए गए उदाहरण **(रीता आ रही है।)** को पढ़कर दिखाएँ। बच्चे से बोलें कि वे भी ऐसा ही पढ़ें।
- किसी शब्द को पूरा बिना अटके पढ़ना सही माना जाएगा। शब्द के सिर्फ अक्षरों को पहचानना शब्द पठन नहीं माना जाएगा। अगर कोई बच्चा पहले किसी शब्द को गलत पढ़ता है और फिर उसे वापस सही पढ़ता है तो उसे सही मानें।
- सही पढ़े गए शब्द के नीचे '1' लिखें।
- जब बच्चा कोई गलत शब्द पढ़े तो उस शब्द के नीचे '0' का निशान लगा दें। अगर बच्चा किसी शब्द पर पाँच सैकेंड से ज़्यादा देर तक अटक जाता है, तो उसे आगे के शब्द पढ़ने को कहें। अटके शब्द को गलत मानें।
- अगर पहले वाक्य के सभी शब्द बच्चा गलत पढ़ता है तो उसे आगे पढ़ने से रोक दें और उसकी उपलब्धि में शून्य दर्ज़ करें।
- कुल सही पढ़े गए शब्दों को गिन कर उपलब्धि में नोट करें। जो बच्चा 15 शब्द सही पढ़ता है, उसे वाक्य स्तर पर मानें तथा स्कोर कार्ड में ✓का निशान लगाएँ।

रीता आ रही है।

पढ़ो

यह मेरा बाग है।
बाग में बहुत से पेड़ हैं।
पेड़ों पर आम लगे हैं।
मेरा बाग बहुत सुंदर है।

शब्द पठन स्कोरिंग प्रपत्र (एंडलाइन)

स्तर–1 एवं स्तर–2 के शब्द पठन स्कोर कार्ड (शिक्षक हेतु एंडलाइन आकलन के दौरान उपयोग करने हेतु)

क्रम	बच्चे का नाम	कक्षा	घर	बस	मन	नयन	घास	फूल	सात	माला	गरमी	पतंग	लकड़ी	अपना	जूता	खिड़की	जलेबी	गुलाल	मिठाई	चिकनी	खुरपी	कैलाश	सही पढ़े गए शब्दों के अंकों का योग	बच्चे का स्तर
1																								
2																								
3																								
4																								
5																								
6																								
7																								
8																								
9																								
10																								
11																								
12																								
13																								
14																								
15																								
16																								
17																								
18																								
19																								
20																								

शब्द पठन स्कोरिंग प्रपत्र (एंडलाइन)

स्तर–1 एवं स्तर–2 के शब्द पठन स्कोर कार्ड (शिक्षक हेतु एंडलाइन आकलन के दौरान उपयोग करने हेतु)

क्रम	बच्चे का नाम	कक्षा	घर	बस	मन	नयन	घास	फूल	सात	माला	गरमी	पतंग	लकड़ी	अपना	जूता	खिड़की	जलेबी	गुलाल	मिठाई	चिकनी	खुरपी	कैलाश	सही पढ़े गए शब्दों के अंकों योग	बच्चे का स्तर
21																								
22																								
23																								
24																								
25																								
26																								
27																								
28																								
29																								
30																								
31																								
32																								
33																								
34																								
35																								
36																								
37																								
38																								
39																								
40																								

नोट : अगर बच्चों की संख्या ज्यादा हो तो आप इसी तरह का प्रपत्र तैयार कर उसमें बच्चों की उपलब्धि को नोट करें।

वाक्य पठन कार्ड

स्तर 2 स्कोर कार्ड एंडलाइन (शिक्षक हेतु आकलन के दौरान उपयोग करने हेतु)

क्रम	बच्चे का नाम	कक्षा	यह	मेरा	बाग	है।	बाग	में	बहुत	से	पेड़	हैं।	पेड़ों	पर	आम	लगे	हैं।	मेरा	बाग	बहुत	सुंदर	है।	कुल सही पढ़े गए शब्दों का योग	वाक्य पठन स्तर ✓/✗	वाक्य पठन स्तर ✓/✗
1																									
2																									
3																									
4																									
5																									
6																									
7																									
8																									
9																									
10																									
11																									
12																									
13																									
14																									
15																									
16																									
17																									
18																									
19																									
20																									

नोट : अगर बच्चों की संख्या ज्यादा हो तो आप इसी तरह का प्रपत्र तैयार कर उसमें बच्चों की उपलब्धि को नोट करें।

रीता आ रही है।

पठन कार्ड

यह मेरा बाग है।
बाग में बहुत से पेड़ हैं।
पेड़ों पर आम लगे हैं।
मेरा बाग बहुत सुंदर है।

कल	नाम	ताला

शब्द पठन कार्ड

1 घर	2 बस	3 मन	4 नयन
5 घास	6 पुल	7 सात	8 माला
9 गरमी	10 पतंग	11 लकड़ी	12 अपना
13 जूता	14 खिड़की	15 जलेबी	16 गुलाल
17 मिठाई	18 चिकनी	19 खुरपी	20 कैलाश